दैनिक

सुप्रभात रायपुर

प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 25 | अंक : 323 रायपुर, बुधवार, 31 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 दिव्यांग नेमी सिंह को...

भारतीय सिनेमा पहले से ... 8

सूचना - जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

मुख्यमंत्री साय झारखंड के मांझाटोली में अंतरराज्यीय जन सांस्कृतिक समागम -कार्तिक जतरा में हुए शामिल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की 'जशक्राफ्ट' एवं जशपुर की जनजातीय मातृशक्ति के कौशल की सराहना

जनजातीय गौरव और विकास की राह पर आगे बढ़ता छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुमला (झारखंड) में आयोजित अंतर्राज्यीय जन–सांस्कृतिक समागम 'कार्तिक जतरा' कार्यक्रम में जशपुर जिले की स्व–सहायता समूहों से जुड़ी जनजातीय महिलाओं के कार्यों, कौशल और आत्मनिर्भरता की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से 'जशक्राफ्ट' से जुड़ी बहनों के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके द्वारा तैयार किए जा रहे आभूषण एवं पर्यावरण–अनुकूल उत्पाद महिला सशक्तिकरण के सशक्त उदाहरण हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जशपुर वनमंडल अंतर्गत वन प्रबंधन समिति शब्दमुंडा, ग्राम कोटानपानी के स्व–सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को जनजातीय सृजनशीलता, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक संरक्षण का प्रेरक प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास न केवल आजीविका के साधन बढ़ाते हैं, बल्कि परंपरागत कला और हस्तशिल्प को नई पहचान भी दिलाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जशपुर की जनजातीय मातृशक्ति, विशेषकर 'जशक्राफ्ट' से जुड़ी बहनों के कौशल और स्वावलंबन की प्रशंसा पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम कोटानपानी की स्व–सहायता समूह की बहनों द्वारा तैयार आभूषण एवं पर्यावरण–अनुकूल उत्पाद हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महिलाओं की मेहनत व सृजनात्मकता के जीवंत प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति का यह स्नेहपूर्ण आशीर्वाद और प्रोत्साहन जनजातीय मातृशक्ति के आत्मविश्वास, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तथा वोकल फॉर लोकल की भावना को और अधिक सशक्त करेगा। उन्होंने जशपुर की समस्त जनजातीय बहनों की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान जनजातीय हस्तशिल्प, पारंपरिक लोककला तथा स्व–सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि दल ने जशपुर जिले की विशिष्ट शिल्प परंपरा और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन कर जनजातीय सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि युवाओं और आने वाली पीढ़ियों को जनजातीय समुदायों की परंपराओं से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। अपनी जनजातीय विरासत और पहचान को सुरक्षित रखते हुए हमारे युवाओं को आधुनिक विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनजातीय समुदाय के सभी सदस्य अपनी धरोहर को संजोए रखते हुए प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह अत्यंत सौभाग्य की बात है कि मांझाटोली (झारखंड) में अंतरराज्यीय जन सांस्कृतिक समागम – कार्तिक यात्रा का आयोजन हुआ है। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक विरासत का सम्मान है, बल्कि जनजातीय समाज को जोड़ने वाला सेतु भी है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए गर्व और आस्था दोनों का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी हर्ष का विषय है कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में ही झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का गठन संभव हो पाया। उन्होंने कहा कि आज इन राज्यों की जनता अपने अलग पहचान और तेज़ी से प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि तीनों राज्यों का यह सांस्कृतिक संगम आगे भी शांति, प्रगति और समृद्धि का संदेश देता रहेगा तथा नक्सलवाद पर निर्णायक विजय का अध्याय आने वाले समय में पूरा होगा।

नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। 400 से अधिक गांव नक्सली प्रभाव से मुक्त हो चुके हैं और लोगों के जीवन में नई उम्मीद जगी है। आज उन इलाकों में सड़क, बिजली, पानी, राशन, चिकित्सा सुविधाएं और शिक्षा के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। बस्तर के लोग लंबे समय से शांति और विकास चाहते थे, और अब उनका यह सपना धरातल पर उतरता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में भी राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

पीएम मोदी ने 2025 को बताया नागरिक-केंद्रित सुधारों का महावर्ष

एजेंसी, नई दिल्ली

नए साल के आगमन के ठीक 2 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर लाल किले की तस्वीर के साथ पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने देशवासियों को संदेश दिया है। उन्होंने विकसित भारत और 2025 की उपलब्धियों का जिक्र किया है। पीएम मोदी का यह संदेश तब आया है जब अमेरिका के साथ भारत का व्यापारिक संबंध तनातनी से गुजर रहा है।

पीएम मोदी का अहम संदेश

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत ने सुधारों की रफ्तार पकड़ ली है! 2025 में विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं, जिन्होंने हमारी विकास यात्रा को गति प्रदान की है। ये सुधार विकसित भारत के निर्माण के हमारे प्रयासों को भी बल देंगे।

लिंकडिन पर लिखे लंबे पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि 2025 को भारत के लिए एक ऐसे वर्ष के रूप में याद किया जाएगा जब उसने पिछले 11 वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए, सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में अपनाया। हमने संस्थानों का आधुनिकीकरण किया, शासन व्यवस्था को सरल बनाया और दीर्घकालिक, समावेशी विकास की नींव को मजबूत किया।

पीएम मोदी ने जीएसटी रिफॉर्म की चर्चा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में हुए बड़े बदलावों पर प्रकाश डाला, जिसमें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में किए गए अहम सुधार शामिल हैं। इन सुधारों का मकसद विवादों को कम करना और नियमों का पालन आसान बनाना था। इसके तहत, जीएसटी की दर को सरल बनाकर दो स्तरों पर लाया गया: 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। इस कदम से आम परिवारों, छोटे और मध्यम उद्योगों (एसएमई), किसानों और श्रम पर निर्भर क्षेत्रों पर आर्थिक बोझ कम हुआ। साथ ही, त्योहारी सीजन में बिक्री बढ़ने में भी मदद मिली।

सरकार ने मध्यम वर्ग को भी बड़ी राहत दी है। अब 12 लाख रुपये तक की सालाना कमाई करने वाले लोगों को कोई आयकर नहीं देना पड़ेगा। इस बदलाव के साथ, आयकर अधिनियम 1961 की जगह आयकर अधिनियम, 2025 ने ले ली है। छोटे और मध्यम व्यवसायों को सहारा देने के लिए, छोटी कंपनियों की परिभाषा को बढ़ाया गया है।

छत्तीसगढ़ में 175 अटल परिसर की स्थापना की गई : अरुण सिंह

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सिंह अटल जन्म शताब्दी कार्यक्रम की समीक्षा बैठक और कार्यकर्ता सम्मेलन व सम्मान समारोह के निमित्त बुधवार को राजधानी के प्रवास पर रहे। इस दौरान कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि संसद सत्र अभी सम्पन्न हुआ है, हमने देखा कि लोकसभा और राज्यसभा में कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं था। कई विधेयकों पर चर्चा हुई, लेकिन विपक्ष ढंग से अपनी बात भी नहीं रख पाया। उसके बाद बाहर आकर उन पर भ्रम फैलाने में लगा है। 'वीबी जी राम जी' में 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी जा रही है अर्थात इससे लोगों को 25 दिन अधिक रोजगार मिलेगा।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री सिंह ने नक्सल उन्मूलन अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि देश के लिए यह सम्मान का विषय है कि नक्सलवाद की समस्या से निपटने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रणनीतिक मार्गदर्शन और प्रदेश सरकारों के सहयोग से केंद्र सरकार नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ और नक्सल मुक्त भारत की ओर तेजी से अग्रसर है और 31 मार्च 2026 तक पूरा देश हथियारबंद नक्सलियों से मुक्त हो जाएगा। इसमें सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह की रणनीति और प्रदेश सरकारों से श्री शाह का सतत सम्वाद जारी है।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री सिंह ने मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार की उपलब्धियों का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि प्रदेश तेज गति से विकास कर रहा है। प्रदेश में 24 लाख स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास में से 16 लाख आवास बन चुके हैं।

पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश महामंत्री द्वय डॉ. नवीन मार्कण्डेय व यशवंत जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही भी उपस्थित थे।

साय कैबिनेट की बैठक आज

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक आज 31 दिसम्बर 2025 को पूर्वान्ह 11:30 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में होगी।

सीबीएसई ने कक्षा 10वीं और 12वीं के टाइम टेबल में किया बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली

CBSE के 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) ने 3 मार्च 2026 को होने वाली 10वीं और 12वीं 12 की परीक्षाओं को प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए स्थगित करने की घोषणा की है. वहीं सीबीएसई बोर्ड ने एक संशोधित शेड्यूल जारी किया है, जिसमें कई मुख्य पेपरों को नई तारीखों पर रीशेड्यूल किया गया है. इसके तहत क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं के पेपर तिब्बती, भोटी, भूटिया, बोडो, तांगखुल, मिज़ो, कश्मीरी, जर्मन, जापानी, स्पेनिश, और मलय भाषा – और एकेडमिक इलेक्टिव (ग्रुप-2), जिसमें नेशनल कैडेट कोर (NCC) और एलिमेंट्स ऑफ़ बुक कीपिंग एंड अकाउंटेंसी शामिल हैं, की 10वीं की परीक्षाएं अब 11 मार्च 2026 को होंगी. 12वीं के लीगल स्टडीज़ का पेपर, जो 3 मार्च को होने वाला था, अब वह 10 अप्रैल 2026 को होगा।

35 पुनर्वासितों को आईजी बस्तर ने किया स्मार्टफोन एवं प्रशिक्षण किट का वितरण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मंगलवार को पुना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के अंतर्गत कोण्डागांव जिले के ग्राम देवखरगांव में संचालित पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्र में रह रहे पुनर्वासित युवाओं से संवाद कर प्रशिक्षण कार्यक्र म एवं शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने 35 पुनर्वासित युवाओं को स्मार्टफोन एवं प्रशिक्षण किट का वितरण भी किया।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने पुनर्वासित लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि हिंसा का मार्ग छोड़ चुके लोगों को कौशल प्रशिक्षण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवनयापन सकें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनें। उन्होंने पुनर्वासितों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण अवधि का पूरे उत्साह और लगन के साथ उपयोग करें तथा यहां से सीखकर जीवन को बेहतर बनाने के साथ–साथ अपने गांवों तक भी पहुँचाएं। उन्होंने विकास के मार्ग को अपनाने के लिए पुनर्वासित व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने पुनर्वास केन्द्र में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य है कि प्रशिक्षण उपरांत पुनर्वासित व्यक्ति स्वरोजगार के माध्यम से अपने परिवार की जीविकोपार्जन में स्वयं सक्षम हो सके। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने पुना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन योजना के तहत विभिन्न ट्रेड में दिए जा रहे कौशल प्रशिक्षण एवं शासकीय योजनाओं से जोड़े जाने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपेश दांडे एवं कौशलेन्द्र देव पटेल, पुनर्वास केन्द्र के प्रभारी अधिकारी पुनेश्वर वर्मा सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए केंद्र के समक्ष रखी पृथक अस्पताल स्थापित करने की माँग

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने की प्रदेश की स्वास्थ्य स्थिति की उच्च स्तरीय समीक्षा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्वास्थ्य सेवाओं में तेज़ और प्रभावी सुधार की दिशा में केंद्र सरकार ने निर्णायक कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने बैठक में राज्यों को स्वास्थ्य क्षेत्र में मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाएगा तथा जनभागीदारी आधारित मॉडल से स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ किया जाएगा।

बैठक के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सचिव स्वास्थ्य अमित कटारिया, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन रणबीर शर्मा व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान श्री नड्डा ने दवा विनियमन को कड़ा करने, निदान सुविधाओं का विस्तार करने, टेलीमेडिसिन व रोगी–केंद्रित देखभाल को बढ़ावा देने तथा जनभागीदारी को व्यापक रूप से सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में स्वास्थ्य परामर्श अभियान की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से औषधि प्रबंधन, निदान सेवाओं और जनस्वास्थ्य पहलों को नई दिशा मिलेगी और इनका प्रभाव सीधे नागरिकों तक पहुँचेगा।

केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्यों के सभी रक्तकोष निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें तथा उनकी नियमित निगरानी व निरीक्षण को कठोर बनाया जाए। निःशुल्क औषधि एवं निदान योजना के अंतर्गत अधिकतम जनसंख्या को लाभान्वित करने, खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम को प्राथमिकता देने और खाद्य एवं औषधि परीक्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों को ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को तेज़ी से आगे बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनाने और उनके माध्यम से क्षय रोगियों के लिए पोषण एवं खाद्य सहायता उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। श्री नड्डा ने कहा कि जोखिमग्रस्त आबादी में एक्स–रे आधारित जाँच को तीव्र गति से पूर्ण कर समयबद्ध निदान सुनिश्चित किया जाएगा, वहीं सभी जिलों में डे–केयर कीमोथेरेपी सेवाएँ संचालित कर कैंसर उपचार को सुदृढ़ किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि मातृ मृत्यु दर (MMR), शिशु मृत्यु दर (IMR) एवं नवजात मृत्यु दर (NMR) में कमी लाने हेतु निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए, जबकि गैर–संचारी रोगों की 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग लक्ष्य आधारित तरीके से पूरी की जाए। इसी क्रम में कुष्ठ नियंत्रण के लिए प्रत्येक तिमाही सक्रिय रोगी खोज अभियान, MMR और IMR पर उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि अक्र कार्यक्रम को मज़बूत करने के लिए 146 हैंडहेल्ड एक्स–रे मशीनें राज्यों को उपलब्ध कराई जाएँगी। बैठक में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए पृथक अस्पताल स्थापित करने की माँग भी केंद्र के समक्ष रखी गई। श्री नड्डा ने छत्तीसगढ़ की प्रगति की सराहना करते हुए मानव संसाधन में अतिरिक्त सहयोग हेतु केंद्र के सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि सिंगल नोडल एजेंसी (स्ह्र) प्रणाली ट्रस्ट मॉडल पर संचालित होती रहेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों से खाद्य एवं औषधि नमूनों की जाँच बढ़ाई जाएगी और खाद्य सुरक्षा क्षमता विस्तार हेतु राज्य आवश्यक स्थान उपलब्ध कराएँगे, जिसके लिए केंद्र वित्तीय मदद प्रदान करेगा।

विस्तृत चर्चा के पश्चात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ्रकेंद्र और राज्य की साझेदारी ही स्वास्थ्य सुधारों की आधारशिला है। हमारा लक्ष्य केवल सेवाओं का विस्तार नहीं, बल्कि परिणामों पर केंद्रित बदलाव है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./26842/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2025
रायपुर, दिनांक 30.12.2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 26842
वार्ड का नाम - 15- कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR108B0547G जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MAYA JI NAIR पिता/पति श्री/श्रीमती GOPAL KRISHNA NAIR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती CHARUL VARU पिता /पति श्री/श्रीमती W/O JITEL VARU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./26701/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2025
रायपुर, दिनांक 30.12.2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 26701
वार्ड का नाम - 17- ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR108A00579 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SARASWATI YADAV पिता/पति श्री/श्रीमती SANJAY YADAV के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती DURGESHWARI YADAV पिता /पति श्री/श्रीमती W/O SANDEEP KUMAR YADAV ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./26805/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2025
रायपुर, दिनांक 30.12.2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 26805
वार्ड का नाम - 18- बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR803A00205 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती Jai Kumar Pandey पिता/पति श्री/श्रीमती Devmurat Pandey के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती GUDDOO KUSHVAHA पिता /पति श्री/श्रीमती S/O RAJENDRA PRASAD KUSHVAHA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./26764/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2025
रायपुर, दिनांक 30.12.2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 26764
वार्ड का नाम - 15- कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR108E0152B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SURESH KUMAR SANTOSH KUMAR पिता/पति श्री/श्रीमती JAGDISH PRASAD के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती KIRAN AGRAWAL पिता /पति श्री/श्रीमती W/O SURESH KUMAR AGRAWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./26803/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2025
रायपुर, दिनांक 30.12.2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 26803
वार्ड का नाम - 17- ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR107B00051 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PARMANAND RADI पिता/पति श्री/श्रीमती LATE PURNCHAND RADI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती 01 MALINA RADI 02. ASHOK KUMAR RADI 03. ANJANA VAIDYA पिता /पति श्री/श्रीमती 01.W/O PARAMANAND RADI 02. S/O PARAMANAND RADI 03. D/O PARAMANAND RADI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 04)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID-rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं. / 26021/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 4/2025
रायपुर दिनांक 29/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26021
वार्ड का नाम-46- सिविल लाईन वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 46 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR333B00300 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SATYANAND SAHU KAR पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती उषा साहूकार, सत्यनाथ साहूकार, सत्यदीप साहूकार, सत्येन्द्र साहूकार, मधु कुल्हारा व शशि कोष्टा पिता/पति श्री/श्रीमती सभी पिता स्व. सत्यानंद साहूकार ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/.../ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 4
नगर पालिक निगम, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 04)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID-rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं. / 26020/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 4/2025
रायपुर दिनांक 29/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26020
वार्ड का नाम-46- सिविल लाईन वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 46 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR333B00299 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SATYA SAHIB SAHUKAR पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती उषा साहूकार पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. सत्यानंद साहूकार ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/..../ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 4
नगर पालिक निगम, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 06)
:: आई .एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::
Email ID-rmczone6@gmail.com

पत्र क्र./27068/न.पा.नि./
जोन क्र.-06/2025
रायपुर, दिनांक 30/12/2025

// इश्तिहार //

नामांतरण प्र.क्र. 27068
वार्ड का नाम- 61- श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपटी आई डी RPR663L00196 जो की निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती RAJU SONKAR पिता/पति श्री/श्रीमती KHEDU RAM SONKAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती CHANDRA KUMARI SONKAR पिता/पति श्री/श्रीमती W/O RAM SONKAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /MALMA BIKRINAMA/ वंशानुक्रम अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 6
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

हमर रायपुर भारत में सबसे अधिक लाभ देने वाला रायपुर रेल मंडल

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का रायपुर रेल मंडल भारत के रेल मानचित्र में भारत का सबसे अधिक राजस्व देने वाला प्रमुख स्टेशन रायपुर है छत्तीसगढ़ की राजधानी होने के साथ–साथ यहां व्यापारी उद्योगपति औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण आसपास के राज्यों से बिहार उड़ीसा झारखंड महाराष्ट्र आदि राज्यों से व्यापारी खरीदी बिक्री हेतु आते हैं रायपुर रेलवे स्टेशन जो छत्तीसगढ़ की राजधानी का प्रमुख स्थल होने के कारण आसपास के दर्शनीय स्थल मैनपाट दंतेवाड़ा महामाया रतनपुर चित्रकूट तीरथगढ़ जलप्रपात मां बमलेश्वरी माता मंदिर एवं रायपुर में भी कई दर्शनीय स्थल को देखने पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है जिससे भी रेलवे को अधिक राजस्व प्राप्त हो रहा है रायपुर चारों तरफ से मुख्य स्थान होने के कारण यहां से प्रमुख राज्यों एवं दर्शनीय स्थान जाने के लिए ट्रेन आसानी से उपलब्ध हो जाती है रायपुर रेलवे स्टेशन पर सभी प्रकार की सुविधा जिसका लाभ यात्रियों को आसानी से प्राप्त हो जाता है अन्य स्टेशनों की तुलना में रायपुर सुव्यवस्थित तरीके से हर मामले में साफ सफाई स्वच्छता खान–पान पेयजल आदि प्राप्त होता है वर्तमान में रायपुर रेल मंडल के संभागीय रेल प्रबंधक श्री दयानंद जी एवं सीनियर डीसीएम श्री अवधेश त्रिवेदी जी की जोड़ी जब से रायपुर रेल मंडल में हैं जिनकी कार्य शैली लाजवाब हर कार्यों की समीक्षा के साथ हर कार्यों में सुधार लगन मेहनत से रायपुर रेलवे स्टेशन एवं रेल मंडल रायपुर अंतर्गत स्टेशन बहुत जल्द एक नए स्वरूप में यात्रियों को प्राप्त होगी जो देखते ही बनेगी पूरे भारत में रेलवे की मानचित्र पर रायपुर रेल मंडल का नाम सबसे अधिक राजस्व देने वाला है इनके साथ ही रेल मंडल के द्वारा कई समस्याओं का निराकरण सुधार जिसका ग्राफ बहुत अच्छा है इसके पूर्व ऐसा कभी नहीं हुआ था आज रायपुर रेलवे स्टेशन का नाम स्वार्मिंग ऐतिहासिक होने जा रहा है जो लोगों की जुबान पर याद कर के रूप में बन जाएगा रायपुर रेलवे स्टेशन से जो छत्तीसगढ़ की राजधानी होने के साथ–साथ प्रमुख स्थान हावड़ा मुंबई हैदराबाद चेन्नई विशाखापट्टनम पंजाब दिल्ली जयपुर जोधपुर कोल्हापुर आदि प्रमुख स्थानों के लिए एक्सप्रेस दुरंतो गाड़ियां उपलब्ध है हमारा रायपुर रेलवे स्टेशन अति शीघ्र हाईटेक साज सज्जा के साथ यात्रियों को दिखेगा रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत कोचों के वॉशिंग एवं अन्य सुविधाएं जो रायपुर को रेलवे मानचित्र पर स्थापित करेगी। रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर मुख्य स्टेशन प्रबंधक रमेश प्रसाद मंडल जी हमेशा सजग कर्तव्य कार्यों की प्रति निष्ठा से कार्य करते हुए स्टेशन पर त्वरित निराकरण करते हैं

पार्षद एवं एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी ने बिटिया अनाया को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

जतिन नचरानी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम रायपुर की एमआईसी सदस्य एवं पार्षद डॉ. अनामिका सिंह की पुत्री बिटिया अनाया के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर उनके निवास पर सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

इस धार्मिक कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक–57 के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्री अमर गिदवानी शामिल हुए। उन्होंने भगवान हनुमान के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा परिवारजनों से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर श्री अमर गिदवानी ने बिटिया अनाया को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य एवं सफल जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से परिवार में सकारात्मक ऊर्जा एवं संस्कारों का संचार होता है। इस अवसर पर कार्यालय सहायिका सुश्री गायत्री देवांगन भी उपस्थित रहीं।

निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने ली मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक

बालोद, प्रतिदिन राजधानी

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के अंतर्गत आज जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र मुख्यालय के एसडीएम एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली गई। इस दौरान एसडीएम एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के महत्वपूर्ण दिशा–निर्देशों के संबंध में जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बालोद, गुण्डरदेही एवं डौण्डीलोहारा द्वारा अपने–अपने कार्यालयों में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। इस मौके पर तीनों विधानसभा क्षेत्रों के सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01.01.2026 के संदर्भ में सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो की बैठक प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत बैठक ली गई। जिसमें उन्हें विगत एक सप्ताह दिनाँक 23 दिसंबर से 29 दिसंबर 2025 तक प्राप्त हुए आवेदनों के संदर्भ में फार्म–6 की सूची प्रारूप 9, फार्म 7 की सूची प्रारूप–10, फार्म–8 की सूची प्रारूप 11, 11ए, 11बी के संदर्भ में जानकारी दी गई। जानकारी के साथ उन्हे फार्म–6, 7, 8 के प्रारूपों की एक–एक प्रति उपलब्ध कराई गई। बैठक में बताया गया कि विगत सप्ताह में प्राप्त हुए आवेदनों में फार्म–6 कुल–130 प्राप्त हुए एवं 130 फार्म ऑनलाइन किया गया, फार्म–7 के 01 आवेदन प्राप्त हुआ जिसे ऑनलाइन किया गया है। फार्म–8 के कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 26 ऑनलाइन कर लिया गया है। फार्म–6 ए के एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुए हैं। फार्म–6,7,8 के प्रारूपों की सूचियों का 09, 10, 11, 11ए, 11बी की सॉफ्टकॉपी एवं हार्डकॉपी उपलब्ध कराई गई।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 06)
:: आई .एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::
Email ID-rmczone6@gmail.com

पत्र क्र./27059/न.पा.नि./
जोन क्र.-06/2025
रायपुर, दिनांक 30/12/2025

// इश्तिहार //

नामांतरण प्र.क्र. 27059
वार्ड का नाम- 63- ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपटी आई डी RPR455E00039 जो की निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती TOSHAN KUMAR NAMDEV, KOMAL KUJMAR NAMDEV पिता/पति श्री/श्रीमती SADANLAL NAMDEV के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती NEMI CHAND MAKHIJA पिता/पति श्री/श्रीमती NEMI CHAND MAKHIJA ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 6
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -01 सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल-eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित एम.आई.जी. डुफ्लेक्स डीलक्स भवन योजना के अतंर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक एम.डी.डी.–88, फेस-I, श्री महेश प्रकाश बघेल पिता श्री स्व. काशीराम बघेल को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 13.10.2005 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 18/12/2025 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्री/श्रीमती 1. दविंदर कौर, 2. प्रमीत सिंग मान पिता/पति श्री 1. गुरमित सिंह, 2. राजबीर सिंग मान के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -03,
सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. सी–46, श्री अमित क्षेतिजा पिता श्री सुरेश क्षेतिजा के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक 198 दिनांक 28.11.2014 द्वारा एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 19.02.2015 को सेलडीड पंजीकृत उपरांत दिनांक 31.05.2022 को हस्तांतरण विलेख (फ्री–होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त दुकान को क्रेता श्रीमती तमन्ना अडवानी पति श्री कमल कुमार अडवानी, निवासी–आई–5, सेल्स टैक्स कॉलोनी, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 12.12.2025 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता श्रीमती तमन्ना अडवानी पति श्री कमल कुमार अडवानी द्वारा उक्त दुकान को अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त दुकान को फ्री–होल्ड उपरांत नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -03,
सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर में स्थित भवन क्र. एल.आई.जी.–722, श्रीमती शमशाद बेगम पति श्री जलालुद्दीन अगेद, के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 6475 दिनांक 15.11.2006 द्वारा एकमुश्त आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कराने उपरांत दिनांक 10.01.2012 को भवन का सेलडीड निष्पादन उपरांत दिनांक 09.06.2016 को हस्तांतरण विलेख (फ्री–होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को क्रेता श्री फिरंगी लाल उइके पिता श्री जवाहर लाल उइके, निवासी–जी–33, सिंचाई कॉलोनी, शांति नगर, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 23.07.2016 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता श्री फिरंगी लाल उइके पिता श्री जवाहर लाल उइके द्वारा उक्त भवन को फ्री–होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -03,
सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर में स्थित भवन क्र. एल.आई.जी.–06, श्री पवन कुमार सोनी पिता श्री मनहरण लाल सोनी, के नाम पर इस कार्यालय का नाम दर्ज आदेश क्रमांक 51 दिनांक 11.04.2025 द्वारा नाम दर्ज है। नामांतरि द्वारा हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को क्रेता श्री नारद राम साहू पिता श्री मिश्रा राम साहू, निवासी–फोकट पारा, पुजेरिन चौंक, 263 वार्ड नं.–14, किरवई, तहसील–राजिम, जिला–गरियाबंद (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 20.05.2025 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता श्री नारद राम साहू पिता श्री मिश्रा राम साहू द्वारा उक्त भवन को फ्री–होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर (छ.ग.)

शपथ–पत्र

मैं शपथकर्ता- ललित कुमार गाँधी पिता श्री हरिशंकर गांधी निवासी- म.नं. 148, क्रेस्टग्रीन कालोनी दीशा कालेज के पास रामनगर कोटा रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. जो कि निम्न कथन पेश करता हूँ कि :-

1. यह कि मेरी पुत्री- मिष्ठी गांधी का जन्म दिनांक 01-11-2010 को टावरी नर्सिंग होम राजातालाब रायपुर छ.ग. में हुआ है। जिसका जन्म प्रमाण पत्र क्र. 00101201002 3264 जारी दिनांक 11-10-2021 है, जिसके जन्म प्रमाण पत्र में माता का नाम डॉली गांधी लिया गया है जो कि गलत है जिसे पुत्री के माता का सही नाम- सुनीता गांधी लिखा व दर्ज किया जावें।

2. अतः शपथ पत्र उक्त कथन के समर्थन में प्रस्तुत है।

सत्यापन :-

यह कि कंडिका एक से दो की समस्त जानकारी मेरे ज्ञान से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
ललित कुमार गाँधी

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक, 2259/NIT-34/2025-26/व.ले.लि. नवा रायपुर दिनांक 26/12/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नालिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम /No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
34 T0104	ELECTRIFICATION WORK IN NEWLY PROPOSED AUDITORIUM IN GOVT RAJIV LOCHAN PG COLLEGE AT RAJIM DIST GARIYABAND प्रथम आमंत्रण	8.55

नोट :- निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 08/01/2026 अपरान्ह 5:30 बजे तक है।

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

शर्ते :- 1) उपरोक्त कार्यों के आबंटन प्राप्त होने पर ही नियामानुसार भुगतान की कार्यवाही की जावेगी।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि., वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.

G-252605733/3

महापौर मीनल, सूर्यकान्त, अध्यक्ष अमर गिदवानी, ने समस्त नगरवासियों को नववर्ष की दी शुभकामनायें

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्यों, वार्ड पार्षदों ने समस्त नगरवासियों को नववर्ष 2026 की अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए परमपिता परमेश्वर के दिव्य श्रीचरणों में समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने राजधानी रायपुर शहर क्षेत्र सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में समृद्धि और खुशहाली लाने कार्य करने सकारात्मक प्रेरणा ऊर्जाशक्ति प्रदान करने की विनम्र सामूहिक प्रार्थना की है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्यों, पार्षदों ने सभी नगरवासियों से स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर शहर को प्रथम रैंकिंग दिलवाने अधिकाधिक संख्या में स्वच्छता फीडबैक देकर सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की पुनः विनम्र अपील की है।

टोल फ्री नम्बर 18008917656 पर कॉल कर अपना ई - वेस्ट दे सकती है

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर शहर से निकलने वाले इलेक्ट्रानिक वेस्ट को व्यवस्थित करने हेतु पब्लिक एरिया में स्मार्ट डस्टबिन रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। परन्तु वर्तमान में उक्त स्मार्ट बिन मरम्मत कार्य नही होने के कारण कार्यरत नहीं है। नगर पालिक निगम, रायपुर क्षेत्र से निकलने वाले ई-वेस्ट को परिवहन कर प्रसंस्करण कार्य करने हेतु संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर को अनापत्ति जारी किया गया है। तदानुसार संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर द्वारा आम जनता से ई-वेस्ट संग्रहण हेतु टोल फ्री नम्बर *18008917656 जारी किया गया है। जिसमें काल कर आम जनता अपना ई- वेस्ट दे सकती है तथा इसके एवज में संस्था द्वारा ई-वेस्ट हेतु रेट लिस्ट अनुसार राशि का भुगतान भी किया जा रहा है।

वर्तमान में संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर द्वारा रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र से प्रतिदिन औसतन लगभग 1 टन ई-वेस्ट का परिवहन कर प्रसंस्करण कार्य किया जा रहा है।

दिव्यांग नेमी सिंह को उपमुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदान की पेट्रोल चलित स्कूटी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की संवेदनशील पहल से एक बार फिर दिव्यांगजन को आत्मनिर्भरता की राह मिली है। विकासखंड बोड़ला के ग्राम सरेखा निवासी एक पैर से दिव्यांग नेमीसिंह साहू को आज विधायक कार्यालय कवर्धा में पेट्रोल चलित स्कूटी प्रदान की गई।

एक कृषक परिवार से आने वाले नेमीसिंह साहू ने लगभग बारह वर्ष पूर्व एक सड़क दुर्घटना में अपना एक पैर खो दिया था। दिव्यांगता के कारण उन्हें दैनिक आवागमन और जीवनयापन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अपने प्रतिदिन के कार्यों के लिए आना-जाना उनके लिए अत्यंत मुश्किल हो गया था। अपनी समस्या को लेकर साहू ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को आवेदन दिया था। उनकी आवश्यकता और सामाजिक - आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने तुरंत सहायता दिलाने के निर्देश दिए थे। जिसके तहत आज उपमुख्यमंत्री शर्मा ने खुद उन्हें उनके वाहन की चाभी भेंट की। स्कूटी पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था।

नेमीसिंह ने वर्षों से कोई वाहन नहीं चलाया था तो जैसे ही उन्होंने स्कूटी चालू की और स्कूटी डगमगाई उपमुख्यमंत्री ने उन्हें थाम लिया और अपने सामने उनसे स्कूटी चालन की प्रैक्टिस भी कराई। स्कूटी पाकर भावुक नेमी सिंह साहू ने कहा कि अब उन्हें रोजमर्रा के कामों के लिए अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने इस सहयोग के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहायता उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाएगी। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में 100 से अधिक दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ आई टी आई कर्मचारी अधिकारी संघ के वार्षिक कैलेंडर वर्ष 2026 का विमोचन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ आई टी आई कर्मचारी अधिकारी संघ के वार्षिक कैलेंडर वर्ष 2026 का विमोचन कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार विभाग के माननीय मंत्री श्री खुशवंत साहेब के कर-कमलों द्वारा दिनांक 30/12/2026 को किया गया।

साथ ही मंत्री महोदय के द्वारा सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर श्री कमल वर्मा प्रांतीय संयोजक छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन, संतोष वर्मा उपाध्याय छ.ग. आई टी आई कर्मचारी अधिकारी संघ,नमिता निषाद प्रदेश प्रसार सचिव,गजेंद्र कुमार साहू संभाग अध्यक्ष रायपुर, प्रेम कुमार सोनी संभाग संगठन सचिव , गुमान साहू, पवन बारले, तिलक देवांगन सहित अनेक साथी उपस्थित रहे और सहयोग प्रदान किया।

इंद्रावती भवन में कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, कहा- मोदी गारंटी लागू करो

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर 29 से 31 दिसंबर तक चल रहे प्रदेशव्यापी तीन दिवसीय प्रदर्शन के दूसरे दिन नवा रायपुर के इंद्रावती भवन में पूर्ण बंदी रही। छत्तीसगढ़ संचालनालयीन (विभागाध्यक्ष) शासकीय कर्मचारी संघ के नेतृत्व में सभी विभागों के कर्मचारियों ने एकजुट होकर आंदोलन को ऐतिहासिक सफलता प्रदान की। यह आंदोलन फेडरेशन की 11 सूत्रीय लंबित मांगों को पूरा करने के लिए है, जिनमें प्रमुख रूप से %मोदी की गारंटी% के तहत 2019 से लंबित महंगाई भत्ते (डीए) के एरियर्स को जीपीएफ खाते में समायोजित करना, केंद्र के समान डीए लागू करना, पिंगुआ कमिटी रिपोर्ट सार्वजनिक करना और समयबद्ध पदोन्नति शामिल हैं। संघ अध्यक्ष जय कुमार साहू ने कहा कि भाजपा घोषणा पत्र में किए गए वादों को दो वर्ष बीतने के बावजूद पूरा नहीं किया गया, जिससे कर्मचारी-अधिकारी आक्रोशित हैं। इंद्रावती भवन में सभी विभागों ने पूर्ण सहयोग देते हुए दूसरे दिन भी कार्यालय को शत-प्रतिशत

बंद रखा। आंदोलन की सफलता में प्रदेश अध्यक्ष लिपिक वर्गीय संजय सिंह, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती जगदीप बजाज, कुमार वर्मा, मुकेश ध्रुव, नितिन आठनकर, लोकेश वर्मा, अनिमेष टंडन, विनय देवांगन, अमित शर्मा, राजकुमार सोंधिया, श्रीमती वृनिशा लकड़ा, वैभव साहू, अजय देशमुख, अभिजीत तिवारी, डिकेंद्र खुंटे, रोहित ध्रुव, योगेश निषाद, जयमंगल पटेल, मृनाल यादव, नेतराम दीवान, हेमलाल देवांगन, हेमप्रसाद गायकवाड़, सुरेश ढीढी, लवलीन, टाकेश कुमार, कुमार यादव, अंकित लकड़ा, संतोष दुबे, भंवर देवांगन, सचिन, सुश्री ज्योति सूर्यवंशी, श्रीमती नम्रता भूमरकार, श्रीमती गुड़िया रानी, श्रीमती तेजस्वी देवांगन सहित सभी सक्रिय कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन उग्र रूप लेगा। प्रदेशभर में यह प्रदर्शन सरकारी कामकाज को प्रभावित कर रहा है।

51 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में बिरगांव रायपुर में आयोजित गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति मंगलवार को इदं न मम की भावना व लोककल्याण, जनकल्याण के भाव के साथ सम्पन्न हुई।

महायज्ञ के संयोजक श्री शंकरलाल साहू एवं जिला समन्वयक श्री लच्छूराम निषाद ने बताया कि पूर्णाहुति के पूर्व 42 लोगो ने गुरुदीक्षा लेकर यज्ञोपवीत धारण किया। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए कई पालियों में यज्ञ संपन्न कराया गया और ।दोपहर को यज्ञ में पूर्णाहुति दी गई ।पूर्णाहुति के अवसर पर रायपुर ग्रामीण के विधायक श्री मोतीलाल साहू एवं महापौर श्री नंदलाल देवांगन (सपत्नीक), स्थानीय पार्षद वेदराम, पवन साहू के साथ गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन डॉ. अरुण मरढ़िया, मोहन उपारकर उपस्थित

थे। हरिद्वार से आए ऋषिपुत्र श्री प्रमोद बारचे ने देव मंच से विभिन्न संस्कारों के महत्व को बताते हुए कहा कि गायत्री मंत्र सबसे शक्तिशाली मंत्र है, जिसके जाप से पापों से मुक्ति, मन की शांति और हृदय की मजबूती मिलती है। उन्होंने सभी को प्रतिदिन एक माला गायत्री मंत्र का जाप करने की सलाह दी। मां गायत्री की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि गायत्री मंत्र के प्रभाव से अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष, लालच और भय से मुक्ति संभव है। यज्ञ से व्यक्ति का जीवन महान बनता है। वह अपने जीवन में ऊंचाइयों को ग्रहण करता है। पूर्णाहुति के पूर्व अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक आचार्य पंडित श्री राम शर्मा जी आचार्य द्वारा नव युग के निर्माण के लिए किए जाने वाले कार्यों के लिए लिखे गए सत संकल्प का पाठ करवाते हुए उसे अपने जीवन एवं आचरण में उतारने कहा गया। पूर्णाहुति में श्रद्धालुओं से यज्ञ देव को दक्षिणा के रूप में अपने अंदर की एक बुराई छोड़ने, नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलवाया एवं इसके बदले प्रसाद के रूप में एक अच्छाई ग्रहण करवाया। उन्होंने गुरदेव के कथन को बताया कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है। हम बदलेंगे-युग बदलेगा, हम सुधरेंगे-युग सुधरेगा इस बात पर हमारा परिपूर्ण विश्वास है। व्यक्ति के निमार्ण से ही परिवार निर्माण, समाज निमार्ण एवं राष्ट्र का निर्माण होता है एवं सशक्त व शौर्य राष्ट्र बनाने के लिए मनुष्य में चारित्रिक, बौद्धिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्तर का उत्थान बहुत आवश्यक है। पूर्णाहुति के बाद शांतिकुंज से आए ऋषिपुत्रों की विदाई की गई।

रायपुर में श्री अमृतम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बना भरोसेमंद इलाज का केंद्र

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शहर के पचपेड़ी नाका क्षेत्र में स्थित अमृतम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ मरीजों को सर्वोत्तम और भरोसेमंद इलाज उपलब्ध करा रहा है। 100 बिस्तरों की क्षमता वाला यह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल अनुभवी एवं उच्च स्तरीय चिकित्सकों की टीम के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुका है।अस्पताल में न्यूरोसर्जरी, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन, गले एवं मुंह की सर्जरी, हड्डी रोग उपचार, सामान्य सर्जरी, क्रिटिकल केयर सहित ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन हैमरेज, सिरदर्द, माइग्रेन तथा किसी भी प्रकार के दर्द के इलाज की समुचित सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अत्याधुनिक मशीनों और आधुनिक तकनीक से लैस यह अस्पताल गंभीर रोगों के उपचार में विशेष रूप से सक्षम है। अमृतम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल को ह्नक्क।। से मान्यता प्राप्त है तथा यहां समस्त ञ्जक्क के माध्यम से इलाज की सुविधा भी दी जा रही है, जिससे मरीजों को कैशलेस उपचार का लाभ मिल सके। अस्पताल का उद्देश्य आमजन को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।

अस्पताल जैन मंदिर के सामने, गंगा डायग्नोस्टिक के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छत्तीसगढ़) में स्थित है। अधिक जानकारी या अपॉइंटमेंट के लिए अस्पताल के हेल्पलाइन नंबर 6232339100 पर संपर्क किया जा सकता है।

ग्रामीण विद्युतीकरण तेज सामाजिक-आर्थिक विकास का आधार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

केन्द्र सरकार हाल ही में ग्रामीण विकास के लिए एकीकृत योजना वी बी जी राम जी लेकर आई है। इसके पीछे व्यापक नजरिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों का टिकाऊ विकास हो। इसके लिए रोजगार सृजन और बुनियादी ढाँचा विकास पर बल दिया जाएगा। विकास की व्यापक कार्ययोजना को गति प्रदान करेगी विद्युत ऊर्जा जिसे मोदी सरकार ने अपने पिछले दो कार्यकाल में प्रमुखता प्रदान की थी। भारत जहाँ लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है वहाँ ग्राम और ग्रामीण की ऊर्जा संपन्नता ही विकसित भारत के लक्ष्य को परवान चढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ को इस मामले में बढ़त हासिल है। छत्तीसगढ़ सिर्फ सरप्लस बिजली वाला राज्य नहीं बल्कि यहाँ की बिजली लोगों की समृद्धि का बड़ा कारक है। गौर करने वाली बात यह भी है कि राज्य बनने के पहले तकनीकी रूप से प्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका था पर उपभोक्ताओं की संख्या और वितरण गुणवत्ता के लिहाज से स्थिति बहुत निराशाजनक थी। बीते 25 वर्षों को इस लिहाज से अहम माना जा सकता है क्योंकि अब गाँव तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि जमीनी तौर पर विद्युतीकृत हैं।

पहला गाँव जहाँ आई बिजली

वैसे यह जानना रोचक है कि छत्तीसगढ़ में मध्यभारत प्रांत के दौर में (1 नवंबर 1956 के पूर्व) ग्राम विद्युतीकरण की शुरूआत हो गई थी। मोहला-मानपुर जिले के कुल्हारडोह गाँव को यह सौभाग्य मिला । यहाँ 1953 में बिजली आई, यह अलग बात है कि विद्युतीकरण की परिभाषा तब

कुछ और थी। इसके बाद रायपुर जिले के अभनपुर ब्लॉक के मानिकचौरी गाँव में अगस्त 1956 में मध्यप्रदेश बनने के पहले तथा मध्यप्रदेश बनने के बाद सबसे पहले 31 दिसंबर 1956 में बस्तर जिले के जगदलपुर ब्लॉक के जीरागाँव में बिजली की दस्तक हुई। यह सिलसिला चल पड़ा एक ड्डएक कर सभी जिलों में बिजली पहुँचती चली गई। वर्तमान 33 जिलों में से 06 जिलों के पहले ग्राम का विद्युतीकरण वर्ष 1970 में हो गया था।

बदलती रही प्राथमिकता

ग्रामीण विद्युतीकरण को लेकर सरकारों ने काम तो शुरू से किए पर प्राथमिकता का क्षेत्र बदलता रहा है। स्वतंत्रता बाद 50 के दशक में अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए सिंचाई के साथ ही लघु उद्यम को प्राथमिकता प्रदान की गई। 60 के दशक में अकाल के भयंकर दौर को देखते हुए विद्युतीकरण को सिंचाई पंपों के ऊर्जीकरण पर केंद्रित किया गया। 70 के दशक में सिंचाई पंपों के साथ मूलभूत अधोसंरचनाओं में बिजली उपलब्धता प्राथमिकता थी। 80 के बाद ग्रामीण आबादी तक बिजली की पहुँच को प्रमुखता दी गई। इधर बीता एक दशक बहुत अहम रहा है जब देश के हर गाँव और हर घर को रोशन करने का लक्ष्य रखा गया जिसे समय से पूर्व हासिल भी किया गया।

समय के साथ बदली परिभाषा

असल में बीते 78 वर्षों में ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा बदलती रही। 1947 के बाद लगभग पाँच दशक तक (अक्टूबर 1997 तक) किसी गाँव के राजस्व क्षेत्र में बिजली का उपयोग किए जाने पर वह गाँव विद्युतीकृत माना गया। अक्टूबर 1997 के बाद इसमें बदलाव हुआ। किसी गाँव की राजस्व सीमा के अंदर रिहायशी क्षेत्र में बिजली का उपयोग किसी भी कार्य में किया गया (औद्योगिक, व्यावसायिक या घरेलू) तो वह गाँव विद्युतीकृत कहा गया।

17 फरवरी 2004 के बाद ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा को अधिक प्रभावी बनाया गया। गाँव की आबादी वाले क्षेत्र में वितरण लाइन , ट्रांसफार्मर जैसी बुनियादी विद्युत अधोसंरचना स्थापित हो , साथ ही दलित बस्ती में भी ऐसी अधोसंरचना विकसित हो तथा गाँव के कुल घरों में कम से कम 10 प्रतिशत घरों में विद्युत की आपूर्ति की जा रही हो तब वह गाँव विद्युतीकृत माना गया।

योजनाओं ने बदली तस्वीर

ग्रामीण विद्युतीकरण को प्राथमिकता प्रदान करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण नीति ,2006 बनाई गई। सभी घरों में वर्ष 2009 तक बिजली पहुँचाने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति का लक्ष्य रखा गया। साथ ही न्यूनतम जीवन रेखा खपत 01 यूनिट प्रति घर प्रतिदिन सुनिश्चित किया गया। इस लक्ष्य को पाने के लिए राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) के रूप में एकीकृत योजना अप्रैल 2005 में शुरू की गई।

इससे ग्रामीण विद्युतीकरण के काम में तेजी आई पर अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण क्षेत्र के घरेलू और कृषि दोनों ही श्रेणी के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवंबर 2014 को दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) शुरू की। इस योजना ने लक्ष्य आधारित परिणाम दिए हैं और आज ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण विदयुत आपूर्ति हो रही है।

सम्पादकीय

कांग्रेस के संकट

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर चुनावी मोर्चे पर भी कांग्रेस के लिए बीत रहा साल निराशाजनक ही रहा है। कांग्रेस पार्टी को दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना भी करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने 'वोट चोरी' मुहिम को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है। आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है।' वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा की कि 'कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।' लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी। निश्चय ही आम कार्यकर्ता पर इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा। दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे-बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दर्शाता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती।

नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जबावों की तलाश

पर्यावरण वर्ष 2025 की सबसे बड़ी चेतावनी बनकर सामने आया। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रहा, बल्कि वह आम आदमी के जीवन का कठोर यथार्थ बन चुका है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, उत्तर भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, महानगरों में दमघोंटू प्रदूषण और तटीय इलाकों में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता-ये सभी घटनाएं एक ही संकट की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह दिखा दिया कि प्रकृति से खिलवाड़ का मूल्य सबसे पहले गरीब और वंचित चुकाते हैं। विकास की अंधी दौड़ में जब पहाड़ों को काटा जाता है, नदियों को बांधा जाता है और जंगलों को उजाड़ा जाता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है।

ललित गर्ग।

एक और वर्ष इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2025 केवल कैलेंडर का एक अंक नहीं था, बल्कि वह घटनाओं, चेतावनियों, उपलब्धियों और विडंबनाओं का ऐसा संगम रहा, जिसने समाज, राजनीति और विकास की हमारी समूची अवधारणाओं को कठघरे में खड़ा किया। नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्ममंथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरुआत है। वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकट साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी गहरे होते चले गए। ये वे अनुत्तरित सवाल हैं, जिनके समाधान के बिना नये भारत और सशक्त भारत की संकल्पना अधूरी ही रहेगी। जाते हुए वर्ष के आंकडों एवं घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक से किसी राष्ट्र की वास्तविक स्थिति नहीं आंकी जा सकती, उसके लिए आम जनजीवन की सच्चाइयों को समझना जरूरी है।

पहलगाम की आतंकी घटना ने एक बार फिर आतंकवाद के भयावह चेहरे को उजागर किया, लेकिन उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल पीड़ित नहीं, बल्कि निर्णायक और साहसी प्रतिकार करने वाला राष्ट्र है। इस सटीक कार्रवाई ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोलते हुए दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों के जीवन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। आतंक के विरुद्ध भारत की यह नीति-न तो उकसावे में आना, न ही चुप रहना, एक परिपक्व, सक्षम और आत्मविश्वासी राष्ट्र की पहचान बन चुकी है, जिसने सीमा पार बैठे आतंकी संरक्षकों को गहरा और ठोस जवाब दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएं और उनकी वैश्विक नेतृत्व-छवि भारत के उभार को नई ऊंचाइयों तक ले जाती दिखती हैं। कूटनीति, निवेश, तकनीक और आपूर्ति-श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका सुदृढ़ हुई है, जिससे देश के भीतर विश्वास और आशाओं का संचार हुआ है। स्थिर शासन, सुधारों की निरंतरता और वैश्विक साझेदारियों के बल पर भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना अब एक दूर का स्वप्न नहीं, बल्कि साकार होता परिदृश्य प्रतीत होता है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख, नक्सलवादमुक्त भारत और अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी गति-इन तीनों ने मिलकर भारत को विश्व मंच पर निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। नये वर्ष में यह सवाल हमारे सामने खड़ा है कि क्या विकास का अर्थ केवल सड़कें, पुल, सुरंगें और ऊंची इमारतें है, या वह जीवन, प्रकृति और भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। जब तक पर्यावरणीय संतुलन को विकास नीति के केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक हर नया साल नई आपदाओं की आहट लेकर आता रहेगा। वर्ष 2025 ने हमें यह सोचने को विवश किया है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही स्थायी विकास का एकमात्र रास्ता है। प्रदूषण और स्वास्थ्य का संकट भी 2025 में और अधिक गहराया। दिल्ली-एनसीआर सहित अनेक शहरों की हवा लंबे समय तक 'गंभीर' श्रेणी में बनी रही। यह केवल प्रदूषण के आंकड़े नहीं थे, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर मंडराता खतरा था।

जल प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे और रासायनिक अपशिष्ट ने गांवों और कस्बों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सवाल यह है कि क्या आर्थिक विकास के नाम पर हम अपने ही जीवन स्रोतों को नष्ट करने के लिए तैयार हैं। नया वर्ष यह सोचने की प्रेरणा देता है कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण उसका मूल आधार हैं। शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने कई कड़वी सच्चाइयों को उजागर किया। विदेशों में पढ़ाई लगातार महंगी होती गई और देश के भीतर निजी शिक्षा संस्थानों की फीस मध्यम वर्ग की पहुंच से भी बाहर होती चली गई।

शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण गरीबी के दुष्चक्र को और मजबूत कर रहा है। गरीब का बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है और अशिक्षा उसे फिर उसी गरीबी में धकेल देती है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, चौराहों और कारखानों में काम करते बच्चों की तस्वीरें विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। नया वर्ष यह गंभीर सवाल सामने रखता है कि क्या शिक्षा अधिकार है या विशेषाधिकार।

यदि शिक्षा वास्तव में राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है, तो उसे बाजार की वस्तु क्यों बना दिया गया है। चिकित्सा व्यवस्था भी 2025 में आम आदमी की सबसे बड़ी चिंता बनी रही। सरकारी योजनाओं और दावों के बावजूद गंभीर बीमारी आज भी आर्थिक तबाही का कारण बन जाती है। निजी अस्पतालों की मनमानी, महंगी जांचें और दवाइयों की बढ़ती कीमतें यह प्रश्न खड़ा करती हैं कि क्या जीवन भी अब खरीदने-बेचने की वस्तु बन गया है। नया साल यह मांग करता है कि स्वास्थ्य को सेवा के रूप में पुनर्परिभाषित किया जाए, न कि मुनाफे के साधन के रूप में। महामारी और आपदाओं के अनुभव यह सिखाते हैं कि मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ही किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती है। भ्रष्टाचार और राजनीति का संकट भी 2025 में लगातार चर्चा का विषय बना रहा। आरोप-प्रत्यारोप, घोटालों की खबरें और राजनीतिक कटुता ने लोकतंत्र के प्रति आमजन के विश्वास को कमजोर किया। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि वह जनविश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही की निरंतर परीक्षा भी है। जब जनता को यह महसूस होता है कि नीतियां उसके हितों के बजाय कुछ चुनिंदा वर्गों के लिए बन रही हैं, तो असंतोष और निराशा जन्म लेती है।

खुली किताबें, बंद मन ओर बच्चों के तनाव की आज के परिपेक्ष्य की यही अनसुनी कहानी

कांतिलाल मांडोत।

कक्षा में किताबें खुली हैं, बोर्ड पर सूत्र चमक रहे हैं, स्क्रीन पर स्लाइड बदल रही है,पर बच्चे का मन कहीं और अटका है। होमवर्क पूरा है, यूनिफॉर्म सलीके में है, चेहरे पर अभ्यास की हुई मुस्कान भी है, फिर भी भीतर एक अदृश्य बोझ हर पल भारी होता जा रहा है। आज की शिक्षा व्यवस्था में यह दृश्य असामान्य नहीं रहा। यह उस पीढ़ी की चुप्पी है जो बोलना चाहती है, पर समय, अपेक्षाओं और तुलना के शोर में उसकी आवाज दब जाती है। द स्टूडेंट स्ट्रेस इंडेक्स 2026 की रिपोर्ट ने इसी दबे हुए सच को सामने रखा है।देशभर के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और स्कूल-इकोसिस्टम से जुड़े लोगों से बातचीत के बाद यह स्पष्ट हुआ कि कक्षा में बैठा हर दूसरा बच्चा रोज तनाव में जी रहा है। रिपोर्ट बताती है कि प्रतिदिन 63 प्रतिशत विद्यार्थी तनाव का अनुभव करते हैं। यह कोई क्षणिक बेचैनी नहीं, बल्कि लगातार साथ चलने वाली चिंता है। कक्षाओं में अब प्रश्न बदल रहे हैं,विषय और पाठ्यक्रम से जुड़े सवाल कम हो रहे हैं, चिंता, थकान, डर और असफलता के भय से जुड़े सवाल बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन केवल भाषा का नहीं, बल्कि मानसिक स्थिति का संकेत है। बच्चे अब पढ़ाई से पहले अपने मन का बोझ उतारना चाहते हैं। दिलचस्प यह है कि इसी रिपोर्ट का दूसरा पहलू उम्मीद जगाता है। तनाव के बीच विद्यार्थी इन मुद्दों पर खुलकर बातचीत भी करने लगे हैं। मानसिक स्वास्थ्य अब वर्जित विषय नहीं रहा। शिक्षक भी पहले से अधिक संवेदनशील होकर सुनने, समझने और संभालने की कोशिश कर रहे हैं। बदलते हालातों में कक्षा का शिक्षक ही वह पहला कंधा बनता दिख रहा है, जिस पर बच्चा सिर रखकर कह सके,आज मैं ठीक नहीं हूँ। फिर भी तस्वीर पूरी तरह उजली नहीं है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि शिक्षक विद्यार्थियों के तनाव को पहचान तो लेते हैं, पर अक्सर उनके जवाब समस्या को नजरअंदाज करने वाले होते हैं। पाठ्यक्रम और पढ़ाने के तरीके भी दबाव को बढ़ाते हैं। कम समय में अधिक सीखने की होड़, लगातार आकलन, और परिणाम-केंद्रित सोच बच्चों को यह संदेश देती है कि उनकी कीमत उनके अंक हैं। जब सीखने से ज़्यादा सफलता पर जोर हो, तो असफलता का डर स्वाभाविक है। यही डर कई बार आत्मविश्वास को चुपचाप खा जाता है। तनाव के कारणों

में अभिभावकों की अपेक्षाएँ सबसे आगे हैं। लगभग 42 प्रतिशत विद्यार्थी महसूस करते हैं कि उनसे उम्मीदें इतनी अधिक हैं कि वे साँस नहीं ले पाते। पढ़ाई के साथ अतिरिक्त गतिविधियों का बोझ अलग है। स्कूल के बाद कोचिंग, कोचिंग के बाद प्रैक्टिस, और बीच-बीच में टेस्ट बच्चे का दिन एक दौड़ बन जाता है, जिसमें ठहराव का कोई स्टेशन नहीं। 43 प्रतिशत विद्यार्थी सामाजिक मुद्दों या करियर की अनिश्चितता के कारण तनाव झेलते हैं। 18 प्रतिशत प्रतिस्पर्धा के कारण तनाव में रहते हैं। और 66 प्रतिशत बच्चे दबाव और चिंता की शिकायत लेकर शिक्षक तक पहुँचते हैं। ये आँकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि हर घर और हर कक्षा की कहानी हैं। इस कहानी में सोशल मीडिया ने तनाव को एक नया आयाम दिया है। आभासी दुनिया ने अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को एक अलग मुकाम पर पहुँचा दिया है। इंस्टाग्राम की रील्स, यूट्यूब के परफेक्ट स्टडी रूटीन, लिंक्डइन की उपलब्धियों की परेड सब मिलकर तुलना की ऐसी मशीन बना देते हैं, जो रोज बच्चे के मन में सवाल उछालती है।मैं पीछे क्यों हूँ? यह तुलना केवल अंकों की नहीं, जीवन की गति की हो जाती है। कोई कम उम्र में स्टार्टअप शुरू कर रहा है, कोई विदेशी विश्वविद्यालय में प्रवेश पा रहा है और बच्चा अपने कमरे में बैठा खुद को कमतर आँकने लगता है। यही वह क्षण है, जब मुस्कान चेहरे पर रह जाती है और भीतर हर पल डर जागता है। समसामयिक उदाहरण हमारे आसपास बिखरे हैं। हाल के वर्षों में परीक्षा परिणामों के बाद बढ़ती आत्महत्या की खबरें, कोचिंग हब्स में बच्चों की टूटती हिम्मत, और सोशल मीडिया पर वायरल होती टॉपर लाइफ की कहानियाँ ये सब एक ही सच की अलग-अलग परछाइयाँ हैं। कोविड के बाद ऑनलाइन शिक्षा ने तकनीक का दरवाजा खोला, पर साथ ही स्क्रीन-थकान और अकेलेपन को भी बढ़ाया। बच्चे एआई टूल्स का इस्तेमाल पढ़ाई में करने लगे हैं, पर संस्थागत मदद अब भी पीछे है। रिपोर्ट कहती है कि इस मामले में विद्यार्थी आगे हैं और स्कूल पीछे। अभिभावक भी मानते हैं कि तकनीकी बदलाव में स्कूलों की रफ्तार धीमी है। तकनीक यदि सहारा बने तो सीखने को आसान कर सकती है, पर बिना दिशा के वही तकनीक दबाव का कारण बन जाती है। इन सबके बीच एक बुनियादी सवाल उठता है। क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल पेट भरने की योग्यता देना है? बच्चे से पूछें कि वह विद्यालय क्यों आता है, तो उत्तर मिलेगा पढ़ने के लिए। पढ़कर क्या करेगा? नौकरी। नौकरी क्यों जीवन-यापन। यह सीधी रेखा हमें कहीं न कहीं यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम मानव को मानव बनाने का लक्ष्य भूलते जा रहे हैं। विद्यालयों में विज्ञान, गणित और भूगोल पर जोर है, पर नैतिकता, करुणा और आत्म-संतुलन की शिक्षा हाशिये पर है। भारी बस्ते ज्ञान का प्रतीक बन गए हैं, पर हल्का मन दुर्लभ होता जा रहा है। यहीं संस्कारों की बात सामने आती है। संस्कार केवल परंपरा नहीं, जीवन को संभालने की कला हैं। बचपन में माता-पिता द्वारा, विशेषकर माँ द्वारा डाले गए संस्कार इतने अमिट होते हैं कि जीवन-पर्यन्त साथ देते हैं। इतिहास गवाह है।ध्रुव को अमर बनाने में माता सुनीति के संस्कार थे, शिवाजी के शौर्य में जीजाबाई की शिक्षा। महात्मा गांधी इंग्लैंड के भोग-विलासी वातावरण में भी अपने मूल्यों से डिगे नहीं, क्योंकि माँ ने धर्म और अहिंसा के बीज बचपन में ही बो दिए थे। आज जब बच्चे बाहरी दबावों से घिरे हैं, तब घर का वातावरण उनका पहला सुरक्षित किला बन सकता है। माँ की भूमिका यहाँ केवल भावनात्मक नहीं, नैतिक भी है। विनम्रता और निरहंकारिता जैसे गुण सिखाए बिना शिक्षा अधूरी रह जाती है। वह कथा याद आती है, जिसमें एक माँ अपने उच्च पदस्थ बेटे के अहंकार पर उसे आईना दिखाती है। यह आईना आज के संदर्भ में और भी जरूरी है। सफलता यदि विनय से खाली हो, तो वह फिसलन बन जाती है। बच्चे साफ स्लेट की तरह होते हैं। उन पर जो लिखा जाए, वही गहरा उतरता है।

आस्था बनाम सांसें : कबूतर, कानून और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी

डॉ. सत्यवान सौरभ।

भारत में आस्था अक्सर तर्क से बड़ी हो जाती है। यही कारण है कि यहाँ मंदिर के बाहर घंटियों की आवाज से ज़्यादा तेज कभी-कभी साँसों की घुटन होती है, लेकिन हम सुनना नहीं चाहते। मुंबई की एक अदालत का हालिया फैसला जिसमें सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना डालने पर ?5000 का जुर्माना लगाया गया इसी टकराव की एक स्पष्ट और साहसी मिसाल है। यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है जो भावुकता के नाम पर विज्ञान, कानून और सार्वजनिक स्वास्थ्य को कुचल देती है। हमारे समाज में कबूतरों को दाना डालना 'पुण्य' माना जाता है। सुबह-सुबह बालकनी, छत या पार्क में मुट्ठी भर दाना डालकर आत्मसंतोष पा लिया जाता है मानो किसी बड़ी मानवता की सेवा हो गई हो। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिना परिणाम समझे किया गया कर्म सच में दया कहलाता है? चिकित्सा विज्ञान लगातार चेतावनी देता रहा है कि कबूतरों की सूखी बीट हवा में घुलकर क्रिप्टोकोकोसिस, हिस्टोप्लास्मोसिस, हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस और साल्मोनेला जैसी जानलेवा बीमारियाँ फैला सकती है। ये बीमारियाँ कोई काल्पनिक डर नहीं हैं, बल्कि अस्पतालों में भर्ती असली मरीजों की सच्ची कहानियाँ हैं।

दमा, फेफड़ों के रोगी, बुजुर्ग और बच्चे सबसे पहले इन्हीं की साँसें दांव पर लगती हैं। मुंबई की अदालत ने इस मामले को केवल नगर निगम के आदेश के उल्लंघन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे सीधे-सीधे जनस्वास्थ्य के लिए खतरा माना। आईपीसी की धाराओं के तहत सजा यह संकेत देती है कि अब राज्य सिर्फ बीमारियों का इलाज नहीं करना चाहता, बल्कि बीमारी पैदा करने वाली सामाजिक आदतों को भी रोकना चाहता है। यह देश में पहली बार हुआ है कि कबूतरों को दाना डालने जैसे सामाजिक रूप से स्वीकृत कृत्य को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। यह फैसला बताता है कि कानून अब भावनाओं से नहीं, उनके प्रभावों से संवाद करेगा। इस पूरे विवाद में सबसे असहज सवाल धर्म और परंपरा से जुड़ा है। कुछ लोग इसे आस्था पर

हमला बता रहे हैं, लेकिन क्या धर्म कभी बीमारी फैलाने की अनुमति देता है? क्या किसी भी धार्मिक ग्रंथ में यह लिखा है कि पुण्य कमाने के लिए दूसरों की जान जोखिम में डाल दी जाए? खुद सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियाँ साफ़ कह चुकी हैं कि कबूतरों को दाना खिलाना कोई धार्मिक अनिवार्यता नहीं है, फिर भी विरोध जारी है। दरअसल यह विरोध आस्था का नहीं, जिद का है अपनी आदतें न बदलने की जिद। शहर अब गाँव नहीं रहे।

घनी आबादी, ऊँची इमारतें, सीमित हवा और साझा स्थानों के बीच एक छोटी सी लापरवाही बड़े संकट में बदल जाती है। बालकनी में डाला गया दाना सिर्फ कबूतरों को नहीं बुलाता, बल्कि उनके साथ बीमारी, गंदगी और संक्रमण की पूरी श्रृंखला भी खड़ी कर देता है। विडंबना यह है कि वही लोग जो मास्क, वैक्सीन और वैज्ञानिक चेतावनियों पर सवाल उठाते हैं, वे पुण्य के नाम पर शहरों को जैविक कचरे का अड्डा बना देते हैं। इस बहस में यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि कबूतर दोषी नहीं हैं। वे तो अपने स्वभाव के अनुसार जी रहे हैं। दोषी हम हैं हमारी अवैज्ञानिक भावुकता, हमारी सुविधा की आस्था और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी। अगर सच में दया करनी है तो नियंत्रित, सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीकों से कीजिए पशु कल्याण संगठनों के माध्यम से, खुले सार्वजनिक स्थलों पर नहीं। मुंबई अदालत का यह फैसला हमें साफ़ संदेश देता है कि आस्था निजी हो सकती है, लेकिन उसका असर सार्वजनिक जीवन को बीमार नहीं कर सकता। दया का मतलब नुकसान पहुँचाना नहीं होता और कानून अब इस फर्क को समझने लगा है।

छात्रों को बौद्धिक विकास के लिए अखबार पढ़ना होगा

मनोज कुमार अग्रवाल।

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी सरकारी बेसिक और माध्यमिक स्कूलों में छात्रों के लिए अखबार पढ़ना अनिवार्य कर दिया है. शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, स्कूलों की सुबह की प्रार्थना सभा में 10 मिनट का समय अखबार पठन के लिए तय किया गया है. हिंदी और अंग्रेजी दोनों अखबारों को शामिल किया जाएगा. इस पहल का उद्देश्य छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करना, स्क्रीन टाइम कम करना, सामान्य ज्ञान बढ़ाना और आलोचनात्मक सोच को मजबूत करना है. आपको बता दें कि हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य करने संबंधी फैसला लेकर सराहनीय कदम उठाया है। मोबाइल और सोशल मीडिया की लत ने यंगिस्तान को पढ़ाई से दूर कर दिया है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चे वर्चुअल दुनिया में ऐसे खो गए हैं कि उन्हें अपने आस पड़ोस में क्या हो रहा, इसकी कोई खबर तक नहीं रहती। सुबह आंख खुलते ही मोबाइल देखना शुरू कर देते हैं और शाम तक यही प्रक्रिया चली रहती है। कोरोना काल में ऑनलाइन पढ़ाई ने बच्चों के हाथों में मोबाइल थमा दिया। अब यह कहीं न कहीं बच्चों के भविष्य में रुकावट बन रहा है। बच्चे अब पढ़ाई और खेल मैदान से दूर होते जा रहे हैं। समय समय पर प्रबुद्ध लोगों ने मोबाइल फोन के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताई है।सोशल मीडिया और इंटरनेट की लत युवाओं को न केवल पढ़ाई से दूर कर रही है, बल्कि युवा वर्ग खेल के मैदान से भी दूर होता जा रहा है। अभिभावकों को इस विषय पर ध्यान देने की खासी जरूरत है। लाड प्यार में बच्चों और युवाओं का भविष्य बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने इस हालात से निबटने के लिए प्राथमिक कदम उठाया है। इससे विद्यार्थियों को कई फायदे होंगे। देश के हर स्कूल में प्रार्थना सभा के दौरान कुछ समय अखबार पढ़ने के लिए निर्धारित होना चाहिए। आज जब डिजिटल माध्यमों पर हद से ज्यादा निर्भरता बढ़ गई है और फेक न्यूज का तेजी से प्रचार-प्रसार हो रहा है, तब अखबार ही जागरूकता का सबसे बड़ा जरिया है। जो बच्चे रोजाना अखबार पढ़ते हैं, उनका शब्दज्ञान बेहतर हो जाता है। उनमें पढ़ने की आदत तो विकसित होती ही है, वे अपने विचारों को अधिक कुशलतापूर्वक अभिव्यक्त कर पाते हैं। ऐसे विद्यार्थी एकाग्रचित्त होकर अध्ययन कर पाते हैं। परीक्षा में उत्तर लिखते समय इसका फायदा होता है। प्रायः ऐसे प्रयासों को यह कहकर खारिज किया जाता है कि स्कूली बच्चों का खबरों की दुनिया से कोई लेना-देना नहीं होता, लिहाजा उन्हें सिर्फ पाठ्यपुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। वास्तव में यह धारणा सही नहीं है। भले ही अखबारों में छपने वाली खबरों का स्कूली पढ़ाई और परीक्षाओं से ज्यादा संबंध न हो, लेकिन उन्हें पढ़ने-सुनने से विद्यार्थियों के सोचने-समझने का नजरिया बदलता है। चाहे उन्हें शुरुआत में कई खबरें समझ में न आएं। एक समय ऐसा आएगा, जब वे खबरों में रुचि लेने लगेंगे। उनकी समझ बढ़ेगी। आज स्कूलों में कई बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें फिल्मी सितारों के बारे में तो बहुत कुछ मालूम है। वे देश के प्रमुख पदों पर सेवारत लोगों के नाम नहीं जानते। ये बच्चे जब भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं तो बहुत मुश्किलों का सामना करते हैं। इन्हें सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं के बारे में कई किताबें पढ़नी पड़ती हैं। इसमें काफी समय लगता है। स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य कर देने से इन बच्चों का भला हो जाएगा। कई लोग कहते हैं- बच्चे स्कूलों में अखबार पढ़ेंगे तो बाकी पढ़ाई कब करेंगे? क्या इससे कक्षाओं के कालांश बाधित नहीं होंगे? ऐसी आशंकाएं निराधार हैं। प्रार्थना सभा में अखबार की बड़ी खबरें पढ़ने में 10 मिनट से ज्यादा समय नहीं लगेगा। अगर कोई ऐसी खबर है, जिससे सामान्य ज्ञान आदि का प्रश्न बनाया जा सकता है तो उसे स्कूल के नोटिस बोर्ड पर लिखा जा सकता है। बाद में, बच्चे वहां से अपनी नोटबुक में लिख सकते हैं। इससे उनके पास कुछ ही दिनों में महत्त्वपूर्ण जानकारी का भंडार हो जाएगा। शनिवार को छुट्टी से पहले और विशेष अवसरों पर इन प्रश्नों पर आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सकता है। उनमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने से उनका

उत्साह बढ़ेगा। ये बच्चे फेक न्यूज और साइबर ठगी से लड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। असली खबर क्या है, अफवाह क्या है, साइबर ठग कैसे लोगों को शिकार बना रहे हैं - इन सवालों के जवाब इन्हें अखबारों से मिल जाएंगे। हाल के वर्षों में आईएएस, आईपीएस, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और वैज्ञानिक तक साइबर ठगों के शिकार बन गए, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि बदलते दौर के साथ अपराधों के तौर-तरीके बदल रहे हैं। अगर वे रोजाना अखबार पढ़ते तो उन्हें इस बात की जानकारी होती। पांच रुपए का अखबार और उसे पढ़ने के लिए दिया गया समय, ऐसा निवेश है जो भविष्य में आपके करोड़ों रुपए बचा सकता है। किशोर हों या बुजुर्ग, अखबार पढ़ने को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाए। संभव है कि देश के दूसरे प्रदेशों में भी राज्य सरकारों द्वारा यूपी सरकार के तर्ज पर तमाम स्कूलों में बच्चों को नवीनतम ज्ञान से अपडेट रखने के लिए अखबारों के पठन पाठन के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे यह कोविड के बाद से सर्कुलेशन से जूझ रहे अखबारों के लिए संजीवनी का काम करेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिक-हितैषी राज्य के रूप में स्थापित हो रहा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार की श्रमिक कल्याण नीतियों से बदली श्रमिकों की तस्वीर

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के सर्वांगीण कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को लेकर बीते दो वर्षों में श्रम विभाग तथा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा अनेक प्रभावी और दूरगामी पहल से की गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व, श्रम एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन तथा मंडल अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह के दिशा-निर्देशन में श्रमिक कल्याण की योजनाएं धरातल पर ठोस परिणाम देती नजर आ रही हैं।

डिजिटल सुविधाओं से सशक्त हुआ श्रमिक तंत्र

श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों को सरल, पारदर्शी और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यूजर-फ्रेंडली वेबसाइट shramevjay-ate.cg.gov.in विकसित की गई है। इसके माध्यम से निर्माण श्रमिकों के पंजीयन एवं विभिन्न योजनाओं में आवेदन प्रक्रिया को

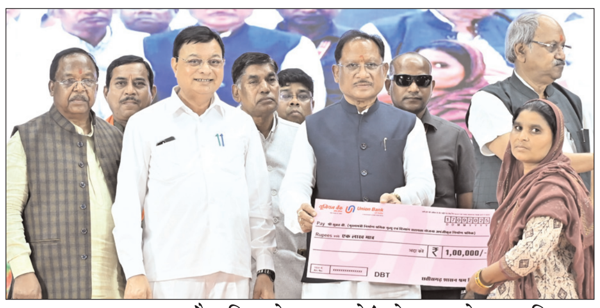

सरल बनाया गया है, जिससे पंजीयन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसी क्रम में 'श्रमेव जयते' मोबाइल ऐप का विकास किया गया है, जिसके माध्यम से श्रमिक कहीं से भी पंजीयन, नवीनीकरण तथा योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऐप में श्रमिकों के पलायन से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा भी उपलब्ध है। अब तक इस ऐप के माध्यम से 5.69 लाख से अधिक पंजीयन एवं आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं।

पंजीयन और लाभ वितरण में ऐतिहासिक उपलब्धि

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत वर्ष 2024 से 24 नवंबर 2025 तक लगभग 8.55 लाख निर्माण श्रमिकों का पंजीयन किया गया है। वहीं, इसी अवधि में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 26,31,562 श्रमिकों को लाभान्वित किया गया, जिस पर 636.06 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई। ये आंकड़े राज्य में श्रमिक कल्याण की व्यापकता और प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु राज्य के प्रत्येक जिले एवं विकासखंड में मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। वर्ष 2024 से 24 नवंबर 2025 तक इन केंद्रों के माध्यम से 1,58,578 निर्माण श्रमिकों को पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजना आवेदन में सहायता प्रदान की गई है।

श्रमिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाते हुए अब ठेकेदार या नियोजक के प्रमाण पत्र के स्थान पर श्रमिकों की स्व-घोषणा को मान्य किया गया है, जिससे व्यवहारिक कठिनाइयां दूर हुई हैं।

आवास, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के अंतर्गत निर्माण श्रमिकों को स्वयं का आवास क्रय अथवा निर्माण हेतु एक लाख रुपये की एकमुश्त सहायता दी जा रही है। इस योजना के तहत अब तक 760 श्रमिकों को लाभ प्रदान किया गया है।

विशेष स्कूल से सामान्य स्कूल तक गणेश कश्यप की प्रेरक यात्रा

संवेदनशील शासन की पहल से संवरता भविष्य

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम झुलन (पकरिया) निवासी 12 वर्षीय गणेश कश्यप का बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता। बहु दिव्यांगता, अल्प मानसिक मंदता एवं सेरेब्रल पाल्सी (हेमीप्लेजिया) से ग्रसित गणेश के परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी। रोजी-रोटी के लिए माता-पिता को दूसरे प्रदेश में मजदूरी करने जाते थे, जिससे गणेश का नियमित रूप से स्कूल जाना संभव नहीं हो पा रहा था। नामांकन सामान्य स्कूल में था, पर प्रवासी जीवन ने उसकी शिक्षा को लगभग रोक दिया था। शासन की संवेदनशील सोच ने ऐसे समय में गणेश के जीवन को नई दिशा दी। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जांजगीर स्थित शासकीय बहु दिव्यांग गृह सह छात्रावास दिव्यांग बच्चों के लिए संबल बनकर सामने आया। यहां 50 बहु दिव्यांग बालकों को आवास, भोजन, विशेष शिक्षण एवं प्रशिक्षण की सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

विशेष प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की ओर कदम

गणेश का इस छात्रावास में प्रवेश हुआ। छात्रावास में प्रवेश के बाद गणेश को विशेष शिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षण के साथ-साथ सामाजिक व्यवहार, आत्मनिर्भरता और स्वयं के कार्य करने का प्रशिक्षण दिया गया। असामान्य व्यवहार में सुधार और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए। धीरे-धीरे गणेश में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट दिखाई देने लगे और उसकी सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

मुख्यधारा में समावेशन की सफल मिसाल

समाज कल्याण विभाग के उद्देश्य अनुसार दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना को साकार करते हुए गणेश को कक्षा 5वीं की परीक्षा सामान्य स्कूल से दिलाई गई। सत्र 2024-25 में गणेश ने सामान्य विद्यालय से कक्षा 5वीं की परीक्षा सफलता पूर्वक उत्तीर्ण की। यह उपलब्धि उसके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे संस्थान के लिए गर्व का क्षण रही। आज गणेश शासकीय माध्यमिक शाला, पेण्ड्री में कक्षा 6वीं का नियमित छात्र है। वह पूरे आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई कर रहा है और परीक्षा देना उसे अच्छा लगता है। शिक्षक भी उसकी प्रगति से संतुष्ट हैं और उसके उज्वल भविष्य को लेकर आशावान हैं। अपने बच्चे को सामान्य स्कूल में पढ़ते और आगे बढ़ते देखकर गणेश के माता-पिता अत्यंत प्रसन्न हैं। वे भावुक होकर समाज कल्याण विभाग और शासकीय बहु दिव्यांग गृह सह छात्रावास के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से उनके बच्चे को नई पहचान और नया

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में 8 वीं वार्षिक जिला रैली एवं शिविर- समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर ज़िला स्काउट्स एवं गाइड्स संघ द्वारा आयोजित 8वीं वार्षिक जिला रैली एवं शिविर का समापन दिनांक 29 दिसम्बर 2025 को अत्यंत उत्साह , जोश और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ । यह तीन दिवसीय शिविर खारुन रेल विहार इंजीनियरिंग कॉलोनी रायपुर में आयोजित हुआ । जिसमें रायपुर ,बिलासपुर मंडल के लगभग 400 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स एवं रेंजर्स तथा अतिथियों ने सहभागिता की । अंतिम दिवस में शिविर की विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का सफल समापन किया गया, जिनमें- गेट मेकिंग प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग, रंगोली , सलाद, ब्राइडल मेकअप शो, पीजेंट शो, शांति रैली, फैंसी ड्रेस तथा लोक नृत्य प्रस्तुतियाँ एवं मुख्य आकर्षण रहे । प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, कौशल,

नेतृत्व एवं टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया । इस अवसर पर अध्यक्षा सेक्रो रायपुर मंडल श्रीमती शिखा सिंह जी, मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद जी , वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रायपुर श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी जी एवं मंडल के अन्य शाखा अधिकारीगण उपस्थित रहे । विजेताओं को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रायपुर एवं जिला आयुक्त (स्काउट) श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी जी के करकमलों से पुरस्कृत किया गया । पूरे आयोजन का सफल संचालन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रायपुर एवं जिला आयुक्त (स्काउट) श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी जी के मार्गदर्शन में किया गया ।

समापन समारोह का संदेश

तीन दिवसीय इस शिविर ने सभी प्रतिभागियों में सीखो सेवा करो नेतृत्व करो के सिद्धांत को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। इस रैली ने नवयुवाओं में अनुशासन, आत्मनिर्भरता, सेवा भावना और राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल

छाती के दुर्लभ कैंसर का सफल ऑपरेशन, अम्बेडकर अस्पताल रायपुर में बची मरीज की जान

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

. पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के कैंसर सर्जरी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कैंसर सर्जरी विभाग की टीम ने छाती के एक दुर्लभ एवं जटिल कैंसर;

मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन कर एक बार फ़िर एक 29 वर्षीय पुरुष मरीज की जान बचाई। मरीज छाती में गांठ, सांस लेने में तकलीफ और लगातार दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंचा था। कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता ने केस की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि - पूर्व में मरीज का उपचार एम्स रायपुर के कैंसर विभाग में चल रहा था, जहां बायोप्सी जांच में मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर की पुष्टि हुई। प्रारंभिक जांच में छाती के बीच स्थित गांठ का आकार लगभग 13×18×16 सेंटीमीटर पाया गया, जो हृदय के समीप बड़ी रक्त नलियों से चिपकी हुई थी। उच्च जोखिम को देखते हुए एम्स रायपुर के चिकित्सकों ने पहले कीमोथेरेपी देने का निर्णय

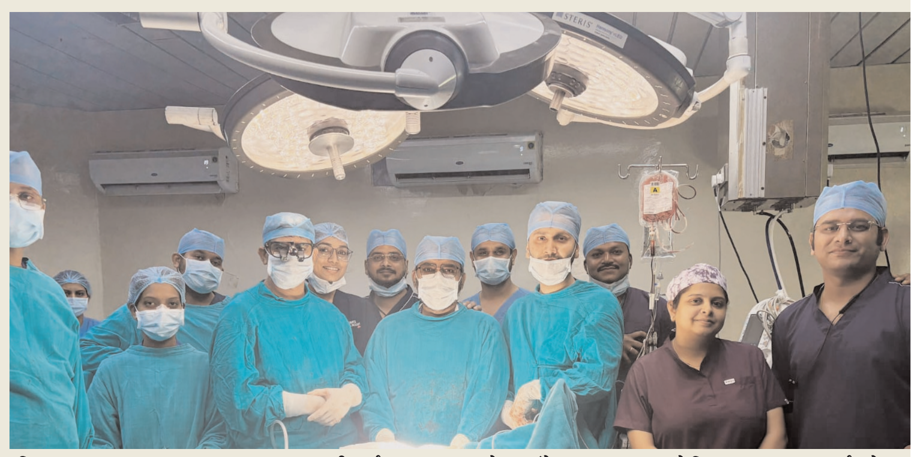

लिया।

जनवरी 2025 से जून 2025 तक मरीज को छह चक्र (षष्ठ्द्र) कीमोथेरेपी दी गई, जिससे गांठ का आकार घटकर 4×3×4 सेंटीमीटर रह गया। इसके बाद मरीज को एम्स रायपुर से रेफर कर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता के पास भेजा गया।

डॉ. गुप्ता ने सभी जांच रिपोर्टों का गहन परीक्षण करने के बाद सर्जरी का निर्णय लिया। गांठ की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए हृदय सर्जरी विभागाध्यक्ष से परामर्श लिया गया तथा निश्चेतना विभाग से सर्जरी की फिटनेस प्राप्त की गई। लगभग 3 से 4 घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी में गांठ को बाएं फेफड़े के एक हिस्से सहित अत्यंत निपुणता से निकाला गया।

सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज को कुछ दिनों के उपचार के बाद स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उपचार के बाद मरीज समय-समय पर फॉलोअप के लिए चिकित्सालय आ रहा है।

इस जटिल ऑपरेशन में डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. के. के. साहू, डॉ. किशन सोनी, डॉ. गुंजन अग्रवाल, डॉ. सुश्रुत अग्रवाल, डॉ. समृद्ध, डॉ. लावण्या, डॉ. सोनम एवं डॉ. अनिल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर छाती के मध्य भाग में जर्म कोशिकाओं से उत्पन्न होने वाला दुर्लभ कैंसर है, जो सामान्यतः 20 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों में पाया जाता है। इसके प्रमुख लक्षणों में खांसी, सांस लेने में तकलीफ और छाती में दर्द शामिल हैं। इस कैंसर का उपचार कीमोथेरेपी एवं सर्जरी के माध्यम से किया जाता है, जिसमें सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट मिलकर कार्य करते हैं। यदि इस कैंसर का समय रहते पता चल जाए और उचित उपचार किया जाए तो पांच वर्षीय सर्वाइवल रेट 90 प्रतिशत से अधिक होता है।

छीसगढ़ की प्रमुख नृत्य एवं लोक कला, संस्कृति पर केंद्रित फोटो प्रदर्शनी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति, पारंपरिक नृत्यों और विविध लोक कलाओं को व्यापक जनसमुदाय तक पहुँचाने के उद्देश्य से क्लाउड एवं संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ के सहयोग से एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी राज्य की जनजातीय, ग्रामीण और लोक परंपराओं की जीवंत, कलात्मक और प्रामाणिक झलक प्रस्तुत करेगी, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त रूप से दर्शाती है।

यह फोटो प्रदर्शनी 02 जनवरी से 04 जनवरी 2026 तक कला वीथिका, महंत घासीदास परिसर, घड़ी चौक, रायपुर में आयोजित की जाएगी। प्रदर्शनी प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 7 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में प्रवेश सभी के लिए पूर्णतः निःशुल्क रहेगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इस सांस्कृतिक आयोजन से जुड़ सकें।

फोटो प्रदर्शनी छायाचित्रों के माध्यम से न केवल दृश्य सौंदर्य प्रस्तुत करेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ के लोक जीवन, सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं के संरक्षण का संदेश भी देगी। प्रदर्शनी का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना, लोक कलाकारों और शिल्पकारों के योगदान को रेखांकित करना तथा लोक कला के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है।

यह आयोजन कला प्रेमियों के साथ-साथ विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, संस्कृति अध्येताओं और आम नागरिकों के लिए भी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को जानने, समझने और अनुभव करने का एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा। इस फोटो प्रदर्शनी में दीपेन्द्र दीवान, अखिलेश, हर्षा, धनेश्वर और सूर्या दीवान की फोटोग्राफी प्रदर्शनी में देखने को मिलेगा द्य

सुषमा के स्नेहिल सृजन

भूमिका कन्हैया की बाल-लीलाओं में कालिया मर्दन प्रसंग अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब यमुना के जल में कालिया नाग ने अपना विष फैला दिया और बाल-ग्वालों को भयभीत कर दिया, तब नटखट गोपाल ने सहज भाव से उसके फणों पर नर्तन किया और यमुना को शुद्ध कर समस्त ब्रजवासियों को निर्भय बनाया। प्रस्तुत मनहरण घनाक्षरी में उसी दैवीय लीला का भावपूर्ण चित्रण प्रस्तुत है-

छंद-मनहरण घनाक्षरी
कालिया मर्दन

कालिन्दी के तट पर, खेलते गोपाल कृष्ण,
बाल-ग्वाल संग राधे,
कालिया सताये रे।

जल बीच मणिधर, नाच नाचे विषधर,

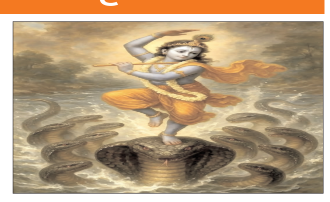

फुफकार कर वह,
सबको डराये रे।

क्रीड़ित सहज भाव, कालिया मर्दन हेतु,
नृत्य कर शीश पर,
कन्हैया बचाये रे।

श्यामला सौंदर्य भाये, देख हिय हरषाये,
कल-कल कृष्णवेणी,
'सुषमा' सुहाये रे।

××××××××××××××××

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर छ.ग.)

कांवड़ियों को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की बड़ी सौगात

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने महादेव मंदिर में कांवड़िया विश्राम गृह निर्माण का किया भूमिपूजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

पवित्र सावन माह में अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर दुर्गम एवं कठिन रास्तों से पदयात्रा करते हुए कवर्धा स्थित भगवान बूढ़ा महादेव में जलाभिषेक करने आने वाले हजारों श्रद्धालु कांवड़ियों के लिए आज एक ऐतिहासिक सौगात मिली। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कांवड़ियों की सुविधा और विश्राम के लिए 1 करोड़ 54 लाख 72 हजार रूपए की लागत से बनने वाले पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) के निर्माण कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम

से पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भगवान बूढ़ा महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह, अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. बीरेन्द्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेश राम धुर्वे, श्रीमती विजयलक्ष्मी तिवारी, श्रीमती सतविंदर पाहुजा सहित समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि, पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बूढ़ा महादेव न केवल कवर्धा बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। यह स्थल सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र रहा है। प्रत्येक वर्ष पवित्र सावन माह में बड़ी संख्या में कांवड़िये अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर कठिन एवं दुर्गम मार्गों से पैदल यात्रा करते हुए भगवान बूढ़ा महादेव में जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। कांवड़ियों की इस कठिन तपस्या, अटूट आस्था एवं श्रद्धा को दृष्टिगत रखते हुए उनके विश्राम एवं आवश्यक सुविधाओं के लिए पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) का निर्माण किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आरामदायक रूप से ठहरने की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के अमरकंटक क्षेत्र में भी कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए शीघ्र ही भूमि भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे छत्तीसगढ़ सहित कवर्धा एवं अन्य जिलों से अमरकंटक जाने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को वहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था मिल सकेगी। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि भोरमदेव क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की गरिमामयी उपस्थिति में भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया जाएगा।

नए साल की पहली तारीख से ई-ऑफिस और आधार बेस्ड अटेंडेंस लागू, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में आज यहाँ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक हुई । बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश भर में नए साल की पहली तारीख (1 जनवरी 2026) से ई ऑफिस एवं आधार बेस्ड अटेंडेंस लागू किया जाना है। सभी जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में ई ऑफिस एवं आधार बेस्ड अटेंडेंस लागू करना सुनिश्चित करें इस कार्य में अगर किसी प्रकार की दिक्कत आ रही हो तो तकनीकी अधिकारियों से मिलकर उसे दूर करने का प्रयास करें। बैठक में सरकार के बजट वर्ष 2026-27 में सम्मिलित किए जाने वाले प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिले के समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुए सभी जिला कार्यालय प्रमुखों से विभागीय प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

बैठक मे कलेक्टर मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केदो में जीवनरक्षक दवाइयां की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित रखें। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा करें। कलेक्टर

ने बैठक में राजस्व संबंधी मामलों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि नामांतरण, बंटवारा सहित अन्य मामलों का समय सीमा में निराकरण करना सुनिश्चित करे। बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने शासन द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत लाभान्वित छात्र-छात्राओं की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजना से अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करें। स्कूल शिक्षा अंतर्गत अति जर्जर विद्यालय भवनों के स्थान पर नवीन विद्यालय भवन निर्माण एवं नवीन शैक्षणिक सेटअप से संबंधित प्रस्तावों पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में कलेक्टर ने धान खरीदी एवं उठाव और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने धान उपार्जन केंद्रों में से धान के उठाव की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन समितियों में धान अधिक जमा हो गया है, उन समितियों से शीघ्र उठाव करना सुनिश्चित करे। बैठक में पंचायती एवं ग्रामीण विकास विभाग वन विभाग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग करेड़ा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी कौशल विकास आदिवासी विकास विभाग पशुपालन मछली पालन कृषि उद्यान की सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों की बारी-बारी से समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेंद्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने जिले में की जा रही मखाना और ऑयल सीड की खेती का व्यापक प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर मिश्रा ने जल जीवन मिशन के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु पीएचई के इंजीनियरों का दल गठित कर सभी गांव की पेयजल व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने कहा।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण का महाकुंभ

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर संभाग की अनूठी जनजातीय विरासत को सहेजने और उसे विश्व पटल पर लाने के लिए छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग ने 30 दिसंबर को एक ऐतिहासिक पहल करते हुए बस्तर पंडुम 2026 के आयोजन की विधिवत घोषणा कर दी है। राज्य शासन का यह प्रयास केवल एक प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बस्तर के 1885 ग्राम पंचायतों में रचे-बसे स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और पारंपरिक वैद्यराजों को एक सशक्त मंच देने की कवायद है, ताकि बस्तर की कला, बोली, रीति-रिवाज और वन-औषधियों का संरक्षण किया जा सके।

इस सांस्कृतिक महोत्सव का आगाज तीन चरणों में होगा, जिसकी शुरुआत जमीनी स्तर यानी जनपद (ब्लॉक) पंचायतों से की जाएगी। प्रथम चरण में 10 जनवरी से 20 जनवरी 2026 के बीच जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं होंगी। यहाँ से चयनित प्रतिभागी दूसरे चरण में पहुँचेंगे, जहां 24 से 29 जनवरी 2026 तक जिला स्तरीय मुकाबलों का आयोजन होगा। आयोजन का समापन भव्य संभाग स्तरीय समारोह के साथ जगदलपुर में होगा, जो 2 फरवरी से 6 फरवरी 2026 तक चलेगा। इस अंतिम चरण में बस्तर संभाग के सातों जिलों से चुनकर आए 84 विजेता दल अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

बस्तर पंडुम का मुख्य आकर्षण वे 12 विशिष्ट विधाएं हैं जिन्हें प्रतियोगिता का आधार बनाया गया है। इसमें न केवल गौर-माड़िया, ककसार और परब जैसे प्रसिद्ध जनजातीय नृत्य और रिलो-लेजा जैसे गीत शामिल हैं, बल्कि बस्तर के खान-पान और जीवनशैली को भी प्रमुखता दी गई है। प्रतियोगिता में चापड़ा (चींटी की चटनी), आमट और बांस की सब्जी (बास्ता) जैसे व्यंजनों के साथ-साथ सल्फी, ताड़ी और छिंदरस जैसे पारंपरिक पेय पदार्थों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, वन औषधियों, जनजातीय वेशभूषा, आभूषण और माओपाटा जैसे लोक-नाट्यों को भी इस महोत्सव का हिस्सा बनाया गया है।

विजेताओं को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने नकद पुरस्कारों की भी घोषणा की है। संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल को 50 हजार रुपये, द्वितीय को 30 हजार रुपये और तृतीय स्थान वाले को 20 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि शेष सभी 48 प्रतिभागी दलों को दस-दस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। मूल्यांकन प्रक्रिया को निष्पक्ष और परंपरा के अनुकूल बनाने के लिए चयन समिति में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ आदिवासी समाज के प्रतिष्ठित मांझी, चालकी, गायता-पुजारी और बुजुर्ग समाज प्रमुखों को विशेष रूप से शामिल किया गया है, जो कला की मौलिकता और पौराणिकता की परख करेंगे।

भाजयुमो ने फूंका पूर्व सीएम भूपेश का पुतला

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) कोण्डागांव द्वारा शनिवार को जिला मुख्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन किया गया। भाजयुमो नेताओं ने कांग्रेस पार्टी पर सनातन धर्म एवं साधु-संतों के अपमान का आरोप लगाया।भाजयुमो

जिलाध्यक्ष नागेश देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई कांग्रेसी नेता लगातार सनातन धर्म का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा एवं पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ बयान देकर कांग्रेस नेताओं ने अपनी सनातन विरोधी मानसिकता को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि रामसेतु को काल्पनिक बताना, भगवान श्रीराम को काल्पनिक कहना और राम मंदिर निर्माण के बाद आमंत्रण मिलने के बावजूद गांधी परिवार का दर्शन के लिए न जाना, कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। पं. प्रदीप मिश्रा के प्रवचनों से गांव-गांव में शिव भक्ति का माहौल बना है और धीरेंद्र शास्त्री सनातन धर्म को जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मांतरण कराने वालों को संरक्षण देने वाले लोगों को सनातन धर्म एवं संतों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार सनातन विरोधी रवैये के कारण अब कुछ राज्यों तक सीमित रह गई है और आने वाले समय में पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। पुतला दहन कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, मनोज जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलवंत सिंह चहल, विकास दुआ, अश्वनी पांडे, बंटी नाग, रौनक पटेल, शीतल पटेल, सोनमणि, संतोष सिंह, सखाराम कोर्राम, सुमन शुक्ला, सोनसिंह, सती बघेल सहित भाजपा एवं भाजयुमो के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध धान संग्रहण पर सख्त कार्यवाही, जिले में धान खरीदी सुचारू रूप से जारी

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

धमतरी जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं नियमसम्मत बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी एवं कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में बीते 29 दिसंबर को राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा मंडी क्षेत्र में औचक निरीक्षण एवं जांच की गई। संयुक्त कार्यवाही के दौरान मंडी क्षेत्रांतर्गत छोटा पंजीयनधारी श्री पालेश्वर साहु, ग्राम कडेल एवं श्री डोमार साहू, ग्राम पिपरछेड़ी द्वारा अवैधानिक रूप से धान संग्रहण करते हुए पाए जाने पर मंडी अधिनियम 1972 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की गई। दोनों के पास 38-38 कट्टा धान अवैध रूप से संग्रहित पाया गया, जिस पर नियमानुसार प्रकरण दर्ज किया गया। इसी दिन एक बाफना), सेन्हाभाठा, मेघा के परिसर में 128 कट्टा धान, कुल मात्रा 51.20 क्विंटल का अवैध भंडारण पाए जाने पर मंडी अधिनियम 1972 के तहत कड़ी कार्यवाही कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है और किसानों के हितों की रक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

11 सूत्रीय मांगों पर कर्मचारियों का हल्ला बोल, तीन दिनी हड़ताल शुरू

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

'मोदी की गारंटी लागू करो'के नारे के साथ सोमवार से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले तीन दिवसीय प्रदेशव्यापी 'कलम बंद-काम बंद' आंदोलन का आगाज हो गया है। कोंडागांव नगर के चौपाटी मैदान में जिले भर के सैकड़ों कर्मचारी और अधिकारी अपनी 11 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए हैं।

आंदोलनकारियों का कहना है कि शासन द्वारा उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। फेडरेशन की मुख्य मांगों में शामिल हैं-महंगाई भत्ता - केंद्र के समान देय तिथि से एरियर सहित भुगतान। वेतन विसंगति-पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक कर लिपिकों, शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों की विसंगतियां दूर करना। नियमितीकरण-दैनिक वेतनभोगी और संविदा कर्मचारियों को नियमित करना। अन्य मांगें-300 दिनों का अर्जित अवकाश नगदीकरण, कैशलेस चिकित्सा सुविधा और अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में सरलीकरण।

कामकाज पर असर

यह हड़ताल 29 से 31 दिसंबर तक चलेगी। सामूहिक अवकाश लेकर आंदोलन में शामिल होने के कारण तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत और अन्य सरकारी दफ्तरों में सन्नाटा पसरा है, जिससे आम जनता के काम प्रभावित हो रहे हैं।

30 जनवरी तक 118 नल-जल योजनाओं को मिलेगी बिजली

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

विद्युत विभाग के प्रशासकीय खण्ड के सभा कक्ष में विद्युत विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कुल 102 ग्रामों के लिए 120 विद्युत कनेक्शनों के आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, जिनमें से 99 ग्रामों के 118 कनेक्शनों के लिए डिमांड नोट का भुगतान विभाग द्वारा किया जा चुका है।

समीक्षा के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित के कार्यपालन अभियंता ने आश्वस्त किया कि प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने समय-सीमा निर्धारित करते हुए कहा कि जिन मामलों में डिमांड नोट लंबित हैं, उन्हें हर हाल में 15 जनवरी 2026 तक जारी कर दिया जाएगा।

धान खरीदी में गड़बड़ी पर कलेक्टर ने दिए निर्देश, 50 बोरों की रैंडम जांच और क्रॉप कटिंग से जारी होगा टोकन

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में की विकास कार्यों की समीक्षा

धान खरीदी प्रक्रिया में कोई लापरवाही स्वीकार नहीं-कलेक्टर हरिस एस कलेक्टर हरिस एस ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिले में चल रहे विकास कार्यों और धान खरीदी व्यवस्था की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने प्रशासनिक कसावट और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने खरीफ विपणन वर्ष के तहत जारी धान खरीदी की समीक्षा करते हुए नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें। विशेष रूप से दरभा क्षेत्र में हर सप्ताह निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया है ताकि व्यवस्थाएं सुचारू रहें। केंद्रों में धान चोरी की आशंका को पूरी तरह समाप्त करने के लिए उन्होंने आकस्मिक निरीक्षण करने और रैंडम आधार पर 50 बोरों का वजन

जांचने का आदेश दिया। साथ ही अधिक समस्या वाले केंद्रों की निगरानी के लिए विशेष जांच दल गठित करने की बात कही। किसानों की सुविधा और पारदर्शिता के लिए कलेक्टर ने जोर देकर कहा कि क्रॉप कटिंग के आधार पर ही किसानों का टोकन काटा जाए। इसके अलावा बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने, रकबा समर्पण की स्थिति जांचने और गेटपास ऐप का अनिवार्य उपयोग करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को आधुनिक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से सभी विभागीय अधिकारियों को सतर्क एप्लीकेशन में डाटा एंट्री करवाने और बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली का कड़ाई से पालन करने को कहा। उन्होंने कार्यालयों का संचालन ई-ऑफिस के माध्यम से करने और विभागों के पुराने निष्क्रिय बैंक खातों को तत्काल प्रभाव से एक्टिव करने के निर्देश दिए ताकि वित्तीय प्रबंधन बेहतर हो सके। ग्रामीण विकास और अधोसंरचना के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी गति पर नाराजगी जताई और जनपद जगदलपुर एवं लोहण्डीगुड़ा में इस सप्ताह के भीतर निर्धारित आवास लक्ष्य को पूर्ण करने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने मनरेगा के तहत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र भवनों और जिला खनिज न्यास संस्थान की राशि से स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति का संज्ञान लेते हुए कार्य में तेजी लाने को कहा। योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए आधार सर्वे और रिवेरीफिकेशन कार्यों के लिए जागरूकता अभियान चलाने तथा उचित डाटा के साथ शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को जाति प्रमाण पत्र और छात्रों की अपार आईडी बनाने के कार्य में गति लाने को कहा। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने, सिकलसेल और मोतियाबिंद की सघन जांच एवं उपचार अभियान को तेज करने पर जोर दिया गया। उन्होंने जिला क्षय उन्मूलन (टीबी) कार्यक्रम की भी समीक्षा की। इसके अतिरिक्त, महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे रेडी टू ईट पोषण आहार की समीक्षा की गई। बैठक के अंत में कौशल विकास प्राधिकरण, जल जीवन मिशन और आगामी बस्तर पंडुम की तैयारियों की समीक्षा भी की। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, ऋषिकेश तिवारी, नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

मिशन संचालक ने जल जीवन मिशन का किया निरीक्षण

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

मिशन संचालक जितेन्द्र शुक्ला ने रविवार को विश्राम गृह कोंडागांव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की विभागीय बैठक ली, जिसमें जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति और विद्युत कनेक्शन की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने प्रगतिरत कार्यों को समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने दिए निर्देशित किया।तत्पश्चात उन्होंने कोंडागांव ज़िले के ग्राम पंचायत नगरी ग्राम नगरी में जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों का निरीक्षण। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान ग्राम नगरी में टंकी आधारित नल जल प्रदाय योजना, हर घर नल कनेक्शन, पाइपलाइन नेटवर्क तथा अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई, जिसमें अधिकारियों ने हितग्राहियों से सीधे चर्चा कर योजना से मिल रहे लाभों की जानकारी ली और ग्रामीणों को योजना से लाभान्वित 158 घरेलू कनेक्शन के संचालन एवं संधारण के तरीकों से अवगत कराया, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था लंबे समय तक सुचारु बनी रहे।

सिकलसेल मुक्त बस्तर का संकल्प, घर-घर जाकर जगाई जागरूकता

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

राज्य शासन द्वारा सिकलसेल और एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे महाअभियान को बस्तर के सुदूर वनांचल में अब एक नई दिशा मिलने लगी है। राज्य को सिकलसेल मुक्त बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से गत दिवस तोकापाल विकासखंड के ग्राम पंचायत डोंगरीगुड़ा में स्वास्थ्य विभाग और बनयान रूफ फाउंडेशन के साझा प्रयासों से एक विशाल विश्लेषण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

बनयान रूफ फाउंडेशन के डायरेक्टर कुलदीप सिंह चौहान के विशेष मार्गदर्शन और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य केवल जाँच भ्रांतियों को दूर करना था। विशेषज्ञों ने ग्रामीणों, विशेषकर बच्चों और उनके अभिभावकों को समझाया है। समय रहते पहचान और उचित चिकित्सकीय प्रबंधन से पीड़ित व्यक्ति भी एक सामान्य और खुशहाल जीवन जी सकता है।

कबड्डी प्रतियोगिता में पहुँचकर विक्रांत ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

खैरागढ़, प्रतिदिन राजधानी

छुईखदान ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत कोहलाटोला में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में केसीजी जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता छुईखदान मंडल भाजपा अध्यक्ष भावेश कोचर ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में महामंत्री रोशन चंद्राकर उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों का बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका परिचय प्राप्त किया और हौसला बढ़ाया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया और कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है, इसलिए हार से निराश न होकर लगातार प्रयास करते रहना चाहिए।

अतिथियों का किया गया स्वागत

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और

खेल प्रेमी मौजूद रहे, जिससे आयोजन का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा।

ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मिल रहा मंच

अपने संबोधन में विक्रांत सिंह ने कबड्डी प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के खेल आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, जो क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान विक्रांत सिंह ने छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बारे में किसानों से चर्चा की, जिस पर किसानों ने बताया कि उन्हें इस योजना के तहत प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की सहायता राशि नियमित रूप से मिल रही है।

विकास में सहयोग का आश्वासन

मुख्य अतिथि ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव मदद की जाएगी। समिति की ओर से अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

शरद कालीन प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन, बच्चों को मिले प्रशस्ति पत्र

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

पारंपरिक बस्तर शिल्पीग्राम, कोंडागांव में आयोजित पांच दिवसीय शरद कालीन प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन रविवार को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यशाला का आयोजन शिल्प परिवार के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण सहभागिता से किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष भूपेन बघेल, उपाध्यक्ष नानकी वैष्णव, सचिव संतोष कुमार सागर, सह-सचिव सरला यादव तथा कोषाध्यक्ष अजय मेश्राम की सक्रिय भूमिका रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल एवं उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यशाला में बड़ी संख्या में बच्चों विविध पारंपरिक कलाओं का प्रशिक्षण मनमोहन नाग, तबला वादन-कमल चौहान, पारंपरिक नृत्य एवं संगीत-नानकी वैष्णव, बेल मेटल कला-कविता सोरी एवं नमिता मानिकपुरी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कमिंस और हेजलवुड को टी20 विश्वकप के लिए शामिल किया जाएगा : मैकडोनाल्ड

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को उम्मीद है कि अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टी20 विश्वकप तक पूरी तरफ से फिट हो जाएंगे। मैकडोनाल्ड के अनुसार ये दोनो ही काफी अच्छे खिलाड़ी हैं और इन्हें हर हाल में टीम में शामिल किये जाने का प्रयास किया जाएगा। कोच के अनुसार भारत और श्रीलंका में होने वाले विश्वकप में ये दोनो ही खिलाड़ी अहम भूमिका निभा सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप में 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वहीं इससे पहले टीम जनवरी में पाकिस्तान में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलकर लय हासिल करने का प्रयास करेंगी, इसमें कमिंस और जोश नहीं रहेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा कि आने वाले दिनों में कमिंस का एक और स्कैन होगा, जिसके बाद विश्व कप में उनके खेलने पर अंतिम फैसला होगा। टी20 विश्व कप 7 फरवरी से शुरु हो रहा है। मैकडोनाल्ड ने कहा, कमिंस का चार हफ्तों में एक और स्कैन होगा, जिससे हमें विश्वकप के लिए उनकी फिटनेस को लेकर सही स्थिति के बारे में पता चल जाएगा। उन्हें हालांकि 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया जाएगा, और फिर हमें पता चलेगा कि उनकी स्थिति कैसी है। गौरतब है कि कमिंस को जुलाई में पीठ में खिंचाव आया था जिसके बाद से ही कमिंस ने केवल एक ही मैच खेला है। वहीं कमिंस अभी चोट से उबरने के लिए रिहैब पर जोर दे रहे हैं। एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट में उन्होंने खेला था जिसमें उन्हें 6 विकेट मिले थे। इसके बाद उन्हें आराम दे दिया गया ताकि वह विश्वकप कप पूरी तरह से तरोताजा हो सकें। वहीं हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोटों के कारण पूरी एशेज सीरीज से बाहर रहे पर उनके भी विश्वकप तक फिट होने की संभावना है। मैकडोनाल्ड ने कहा, हेजलवुड गेंदबाजी करने के लिए लौट रहे हैं। ऐसा लगता है कि वह विश्वकप से पहले ठीक हो जाएंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी में जीशान अंसारी की फिरकी का जलवा, आईपीएल 2026 के लिए भेजा मजबूत संदेश

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के युवा लेग स्पिनर जीशान अंसारी भले ही आईपीएल 2025 में अपनी छाप छोड़ने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हों, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अब नई कहानी लिखता नजर आ रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी में 26 वर्षीय जीशान अपनी घातक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को लगातार परेशान कर रहे हैं। उनकी शानदार लय इस बात का साफ संकेत है कि वह आईपीएल 2026 के लिए अभी से पूरी तरह तैयार हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने भी उनकी काबिलियत पर भरोसा जताते हुए उन्हें अगले सीजन के लिए रिटेन किया है। विजय हजारे ट्रॉफी में रिंकू सिंह की कप्तानी वाली उत्तर प्रदेश टीम के लिए खेलते हुए जीशान अंसारी ने शुरुआती तीन मैचों में ही 11 विकेट झटककर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ 31 रन देकर चार विकेट लिए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद चंडीगढ़ के खिलाफ भी उन्होंने चार विकेट चटकाकर अपनी निरंतरता साबित की। तीसरे मैच में बड़ौदा के खिलाफ जीशान ने तीन विकेट हासिल किए। खास बात यह रही कि इन तीनों ही मुकाबलों में उत्तर प्रदेश की टीम को जीत मिली और हर जीत में जीशान का योगदान निर्णायक रहा। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया है कि जीशान अंसारी आईपीएल 2026 को लेकर पूरी गंभीरता से तैयारी कर रहे हैं। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 40 लाख रुपये में खरीदा था। हालांकि, उस सीजन में उनका प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। उन्होंने 10 मैचों में सिर्फ छह विकेट लिए, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 42 रन देकर तीन विकेट रहा।

दूसरा दिवस : पंजाब अंडर 16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया

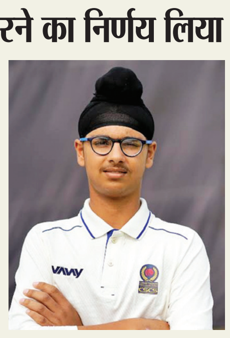

रायपुर। छत्तीसगढ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 40.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 114 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से चंद्रान्श यादव ने नाबाद 43 रन बनाये। अंशुमन ठाकुर ने 20 रन तथा अनिकेत कुजुर ने 15 रनों का योगदान दिया। पंजाब की ओर से शिवम मत्री ने 4 विकेट तथा जैविन ने 3 विकेट प्राप्त किये। पंजाब ने अपनी पहली पारी में 61.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 136 रन बनाये। पंजाब की ओर से अभिशेख राजपुत ने नाबाद 39 रन बनाये तथा पंजाब को पहली पारी में बढत दिलाई। उनके अतिरिक्त उपदेश्वर सिंह ने 21 रन तथा साहिबजोतवीर सिंह ने 20 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से अर्शवीर सिंह ने 4 विकेट तथा यर्थाथ सिंह चौहान ने 3 विकेट लिये। दूसरे दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ ने अपनी दूसरी पारी में 12 ओवरों में 2 विकेट खोकर 36 रन बना लिये है। छत्तीसगढ की ओर से अनिकेत कुजुर 21 रन पर नाबाद खेल रहें है। वहीं पंजाब की ओर से अभिशेख राजपुत ने 2 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ ने 14 रनों की बढत बना ली हैं।

शादी के छह साल बाद इमाद वसीम ने लिया तलाक सोशल मीडिया पर साझा की निजी जानकारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इमाद वसीम ने अपनी शादी के छह साल बाद तलाक लेने का ऐलान कर दिया है। इमाद वसीम ने अगस्त 2019 में सानिया अशफाक से शादी की थी और इस रिश्ते से उनके दो बच्चे भी हैं। तलाक की जानकारी खुद इमाद ने सोशल मीडिया के जरिए दी, जिसके बाद यह खबर तेजी से चर्चा में आ गई। खास बात यह है कि इसी साल इमाद वसीम को लेकर अफेयर की खबरें भी सामने आई थीं, जिससे उनके वैवाहिक जीवन को लेकर पहले से ही अटकलें लगाई जा रही थीं। इमाद वसीम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी साझा करते हुए तलाक की पुष्टि की।

भारतीय मूल के हैं बीबीएल में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले जेरसिस वाडिया

गाबा। बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 में एडिलेड स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचने जेरसिस वाडिया भारतीय मूल के हैं। जेरासिस ने बीबीएल के इस मैच में केवल 16 गेंदों में ही 34 रन बना दिये थे। अपनी इस पारी के 15वें ओवर में उन्होंने जैक वाइल्डरमुथ की गेंदों पर लगातार तीन छक्के और एक चौका लगाकर कुल 24 रन बनाये। जेरसिस ने वडोदरा की ओर से एज ग्रुप क्रिकेट भी खेली है। वहीं बाद में वह ऑस्ट्रेलिया चले गये थे। उनके माता-पिता अभी भी मुम्बई में ही रहते हैं। स्पिनर जेरसिस ने दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई प्रीमियर लीग क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। साल 2022-23 सत्र से ही वाडिया ने एडिलेड, ईस्ट टॉरेंस और टी ट्री गली सहित कई क्लबों की ओर से खेला है। बिग बैश के जेरसिस को एडिलेड स्ट्राइकर्स की टीम में एलेक्स कैरी के विकल्प के तौर पर रखा गय था क्योंकि कैरी अभी एशेज सीरीज में व्यस्त हैं।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए इंग्लैंड की प्रोविजनल टीम का ऐलान

तेज गेंदबाज जोश टंग को मौका मिला, श्रीलंका दौरे के लिए भी टीम घोषित

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए इंग्लैंड की प्रोविजनल टीम घोषित कर दी है। श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए भी टीम जारी की गई है। यह दौरा वर्ल्ड कप से पहले टीम की तैयारी के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को सौंपी गई है। 15 खिलाड़ियों की इस टीम में जोश टंग को भी जगह मिली है। टंग ने अभी तक इंटरनेशनल लिमिटेड ओवर क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है।

आर्चर वर्ल्ड कप टीम में शामिल

टीम में जोस बटलर, सैम करन, फिल सॉल्ट और आदिल राशिद जैसे सीनियर खिलाड़ियों को चुना गया है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया है, हालांकि वे श्रीलंका दौरे पर नहीं जाएंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड की प्रोविजनल टीम : हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम करन, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग, ल्यूक वुड।

22 जनवरी से शुरू होगा श्रीलंका दौरा : श्रीलंका दौरे पर इंग्लैंड को तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं। दौरा 22 जनवरी से शुरू होगा। वनडे टीम में जो रूट की वापसी हुई है, जिससे बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी। ईसीबी के मुताबिक, यह सीरीज खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप से पहले हालात में ढलने और सही संयोजन तय करने का अच्छा मौका देगी।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, सैम करन, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, सैम करन, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, जो रूट, ल्यूक वुड।

न्यूजीलैंड सीरीज से पहले केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर पर मंथन

तीन दावेदारों ईशान किशन, ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल में फंसा चयन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड जल्द ही टीम इंडिया का ऐलान करने वाला है। टीम चयन को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है और कई खिलाड़ियों के अंदर-बाहर होने को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। इन्हीं अटकलों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि केएल राहुल के बाद टीम में बैकअप विकेटकीपर के तौर पर किसे मौका मिलेगा। चयनकर्ताओं के सामने यह चुनौती इसलिए भी खास है क्योंकि इस एक स्थान के लिए तीन मजबूत दावेदार मौजूद हैं। केएल राहुल के बाद विकेटकीपर की सिर्फ एक ही जगह खाली है, लेकिन इस रेस में ईशान किशन, ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल तीनों शामिल हैं। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए यह एक तरह की 'सुखद दुविधा' बन गई है। हालिया प्रदर्शन को देखा जाए तो तीनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में अपने-अपने तरीके से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है, जिससे फैसला लेना आसान नहीं रह गया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज में ऋषभ पंत को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर टीम में रखा गया था, जबकि ध्रुव जुरेल को सिर्फ बल्लेबाज के रूप में चुना गया। वहीं, ईशान किशन ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टी20 टीम में वापसी की और अब वह वनडे टीम के लिए भी मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। झारखंड की कप्तानी करते हुए ईशान ने अपनी टीम को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया और पूरे टूर्नामेंट में 517 रन बनाए। फाइनल में 45 गेंदों में शतक जड़कर उन्होंने अपनी फॉर्म का जोरदार प्रदर्शन किया। करीब दो साल बाद ईशान किशन का ग्राफ एक बार फिर ऊपर जाता दिख रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के खिलाफ 39 गेंदों में 125 रन की तूफानी पारी खेलने के बाद बीसीसीआई ने उन्हें कुछ मैचों के लिए आराम दिया था, लेकिन अब चयन की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें दो और मैच खेलने को कहा गया है। टीम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ईशान निश्चित तौर पर चयनकर्ताओं की नजर में हैं। अगर ईशान किशन को मौका मिलता है, तो यह ऋषभ पंत के लिए थोड़ा निराशाजनक हो सकता है। टेस्ट टीम के उपकप्तान पंत पिछले एक साल से वनडे टीम में लगातार बेंच पर बैठे हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में उनका प्रदर्शन औसत रहा, जहां तीन मैचों में उन्होंने 97 रन बनाए। दूसरी ओर, ध्रुव जुरेल ने उत्तर प्रदेश के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए तीन मैचों में 307 रन बनाए, जिसमें उनका पहला लिस्ट-ए शतक भी शामिल है।

गावस्कर ने आईसीसी की पिच रेटिंग प्रणाली पर सवाल उठाये

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पिच रेटिंग प्रणाली पर निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा कि एशेज में मैच दो से तीन दिन में खत्म हो रहे हैं पर पिचों को लेकर आईसीसी ने कोई सख्त प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं जब ऐसा भारत या अन्य एशियाई देशों में होता है तो पिचों को खराब करार दे दिया जाता है। गावस्कर ने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला गया चौथा एशेज टेस्ट दो दिन में ही समाप्त हो गया था।

इसमें पहले ही दिन कुल 20 विकेट गिर गए, जो ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट के पहले दिन गिरे विकेटों के हिसाब से सबसे अधिक था। वहीं दूसरे दिन भी 16 और विकेट गिरे, जिसके बाद मुकाबला दो दिन भी नहीं चल पाया। इसके बाद भी आईसीसी ने पिच को खराब नहीं बताया। गावस्कर ने पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का भी मामल उठाया और कहा कि उसमें भी मैच दो दिन के अंदर समाप्त हो गया था। तब भी आईसीसी ने कोई नकारात्मक प्रतिक्रिय नहीं दी। गावस्कर ने मैच रेफरी पर भी सवाल उठाये और कहा कि पर्थ टेस्ट में रंजन मदुगले के रहते पिच को काफी अच्छा कहा गया, जबकि मेलबर्न टेस्ट में नए मैच रेफरी जेफ क्रो होने के कारण उसी तरह की पिच को केवल अच्छा कहा गया जबकि दोनो ही मैच दो दिन ही चले। गावस्कर ने कहा कि दूसरी ओर अगर ऐसा ही कुछ भारतीय पिचों पर होता है तो क्यूरेटरों पर सवाल उठाये जाते हैं। गावस्कर ने कहा कि पर्थ और मेलबर्न की पिचों को कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी खराब बताया था फिर भी आईसीसी ने कोई कठोर प्रतिक्रिया नहीं दी।

चेस वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन ने फिर टेबल पर हाथ पटका, ब्लिट्ज चैंपियनशिप में भारतीय प्लेयर से हारे, गुकेश से हारने पर भी खीझे थे

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर-1 चेस प्लेयर और 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन एक बार फिर अपने रिएक्शन को लेकर चर्चा में हैं। कतर की राजधानी दोहा में चल रही वर्ल्ड रैपिड/ब्लिट्ज चैंपियनशिप के दौरान भारत के अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने गुस्से में टेबल पर जोर से हाथ मारा। इसका वीडियो वायरल हो गया। यह वीडियो फिडे और चेस कम्युनिटी से जुड़े आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी शेयर किया गया। फुटेज में कार्लसन की क्वीन हाथ से फिसलकर गिरती दिखती है, जिसके बाद वे टेबल पर हाथ मारते नजर आते हैं। गुस्से में कैमरामैन को धक्का दिया था इससे पहले, ब्लिट्ज टूर्नामेंट में ही रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव से मुकाबला हारने के बाद बाहर जाते वक्त उन्होंने कैमरामैन को धक्का दे दिया था। इस घटना का भी वीडियो वायरल

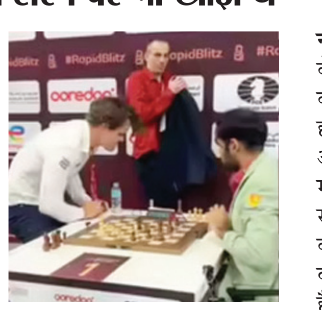

हुआ था। 27 दिसंबर को राउंड-7 में कार्लसन ने 15वीं चाल पर बड़ी गलती की, जिसका फायदा उठाकर आर्टेमिएव ने मुकाबला अपने नाम किया। गुकेश से हार के बाद बोर्ड पर मुक्का मारा था नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में गुकेश से हारने के बाद कालर्सन ने बोर्ड पर मुक्का मारा था। 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया था। गुकेश की क्लासिकल चेस में कार्लसन के खिलाफ पहली जीत थी। हारने के बाद कार्लसन ने बोर्ड पर मुक्का मार था।

सूर्यकुमार यादव को लेकर खुशी मुखर्जी का चौंकाने वाला दावा, सोशल मीडिया पर फिर छिड़ी बहस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को लेकर एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी के हालिया बयान ने सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट जगत में हलचल मचा दी है। अपनी बोल्ड ड्रेसिंग स्टाइल और बेबाक बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में रहने वाली खुशी मुखर्जी ने दावा किया है कि सूर्यकुमार यादव उन्हें पहले काफी मैसेज किया करते थे, हालांकि अब दोनों के बीच कोई बातचीत नहीं होती। खुशी का कहना है कि उनका नाम अक्सर क्रिकेटर्स और अन्य मशहूर हस्तियों के साथ जोड़ा जाता रहा है, लेकिन वह इस तरह के किसी भी लिंकअप को पसंद नहीं करतीं। अपने एक इंटरव्यू के दौरान खुशी मुखर्जी ने कहा कि कई क्रिकेटर्स उनके पीछे थे और उन्हें लगातार मैसेज भेजते थे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सूर्यकुमार यादव भी उनमें से एक थे, जो पहले उनसे संपर्क में रहते थे। हालांकि, अब यह बातचीत

पूरी तरह बंद हो चुकी है। खुशी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी भी तरह के रिश्ते या अफवाहों से दूरी बनाकर रखना चाहती हैं और जानबूझकर अपने नाम को किसी के साथ नहीं जोड़ना चाहतीं। उनके मुताबिक, लोग अक्सर बिना सच्चाई जाने उनके बारे में कहानियां गढ़ लेते हैं, जबकि असल में ऐसा कुछ भी नहीं होता। इससे पहले भी खुशी मुखर्जी अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया था कि उनके कुछ करीबी दोस्तों ने उन्हें नशा देकर उनके ही घर से कीमती सामान चुरा लिया। खुशी के मुताबिक, चोरी किए गए गहनों की कीमत करीब 25 लाख रुपये है। उन्होंने इस घटना को अपनी जिंदगी का बेहद दर्दनाक अनुभव बताया और कहा कि जब दोस्त ही दुश्मन बन जाएं तो हालात को संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वह स्वभाव से काफी उदार हैं, लेकिन इस घटना ने उन्हें अंदर तक झकझोर कर रख दिया। खुशी मुखर्जी का कहना है कि जब रिश्तों में प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या हावी हो जाती है, तो भरोसा टूटने लगता है।

उन्होंने यह भी कहा कि वह ऐसे दौर से गुजर रही हैं, जहां कई बार लगता है कि सब कुछ छोड़ देना चाहिए, लेकिन फिर खुद को संभालकर आगे बढ़ने की कोशिश करती हैं। उनके इन बयानों के बाद सोशल मीडिया पर लोग अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। अगर खुशी मुखर्जी के करियर की बात करें तो उनका जन्म कोलकाता में हुआ था और वह 29 साल की हैं। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2013 में तमिल फिल्म 'अंजल थुरई' से की थी। इसके बाद उन्होंने तेलुगु और हिंदी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उन्हें असली पहचान भारतीय टेलीविजन और रियलिटी शोज से मिली। एमटीवी के 'स्प्लिट्सविला 10' और 'लव स्कूल 3' में नजर आने के बाद उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी।

गौतम गंभीर को लेकर चल रही अटकलों पर बीसीसीआई का साफ इनकार

नई दिल्ली। घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई थीं। एक मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड गंभीर की जगह पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण को टेस्ट टीम की कोचिंग सौंपने पर विचार कर रहा है। इन अटकलों के बीच अब बीसीसीआई की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है, जिसमें इन सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। दरअसल, गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। यह लगातार दूसरा साल है

जब भारतीय टीम को घर पर टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ झेलना पड़ा है। इससे पहले पिछले साल न्यूजीलैंड ने भी भारत को 0-3 से टेस्ट सीरीज में हराकर सभी को चौंका दिया था। इन नतीजों के बाद ही कोचिंग सेटअप में बदलाव की अटकलें तेज हो गई थीं और वीवीएस लक्ष्मण के नाम को गंभीर के संभावित विकल्प के तौर पर उछाला जाने लगा। हालांकि, इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने साफ शब्दों में कहा कि गौतम गंभीर को हटाने या उनकी जगह किसी नए कोच की नियुक्ति को लेकर बोर्ड की ओर से कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि मीडिया में चल रही सभी अटकलें निराधार हैं और इनका हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। शुक्ला ने यह भी स्पष्ट किया कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया पहले ही इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी इन रिपोर्ट्स को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि यह महज अटकलों और कल्पनाओं पर आधारित खबरें हैं, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है। सैकिया ने दो टूक कहा कि बीसीसीआई इन रिपोर्ट्स का खंडन करता है और फिलहाल भारतीय टीम के हेड कोच को लेकर किसी भी तरह के बदलाव की कोई योजना नहीं है। बीसीसीआई के इस बयान के बाद साफ हो गया है कि खराब नतीजों के बावजूद बोर्ड ने गौतम गंभीर पर भरोसा बनाए रखा है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बुमराह, पांड्या को आराम दे सकता है भारत

मुम्बई। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता जनवरी की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर सकते हैं। इसमें फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट और बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को जगह दी जाएगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय मुकाबले बड़ौदा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेंगी, जो फरवरी 2026

में होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए अभ्यास को देखते हुए बेहद अहम रहेगी। ऐसे में माना जा रहा है कि बुमरा और पंड्या को टी20 सिरीज के लिए शामिल किया जाएगा। एकदिवसीय सीरीज में इन्हें आराम दिये जाने का कारण खिलाड़ियों का कार्यभार प्रबंधन भी है। जिससे कि खिलाड़ी विश्वकप तक पूरी तरह से फिट और तरोताजा हो सकें।

भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा संवेदनशील और समावेशी हुआ है : वामिका गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि बीते कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। उनके अनुसार, अब दर्शक फिल्मों की बारीकियों को समझने लगे हैं और कहानी कहने को वह सम्मान मिलने लगा है, जिसकी वह लंबे समय से हकदार थी। एक बातचीत में वामिका ने समकालीन सिनेमा की जमकर तारीफ की और कहा कि आज का सिनेमा सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रह गया है।

वामिका गब्बी ने 21वीं सदी की पहली तिमाही के खत्म होने पर भारतीय सिनेमा के सफर को सराहते हुए कहा कि अब शांत, गहरी और संवेदनशील कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा, 'अब ऐसी कहानियां भी जगह बना रही हैं, जिन्हें असर छोड़ने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है।

पिछले कुछ दशकों में शांत कहानियों, कमजोर समझे जाने वाले किरदारों और उन भावनाओं को जगह मिली है, जिन्हें व्यक्त करने के लिए ऊंची आवाज जरूरी नहीं होती।' अभिनेत्री का मानना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले के मुकाबले ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है। दर्शकों की सोच में आए बदलाव ने सिनेमा को नई दिशा दी है। वामिका के अनुसार, आने वाले समय में यह बदलाव और मजबूत होगा, क्योंकि अब दर्शक सिर्फ भव्यता या शोर-शराबे से प्रभावित नहीं होते, बल्कि गहराई और सच्चाई को भी महत्व देने लगे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि टेक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेज़ी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है, लेकिन असली बदलाव दर्शकों के भरोसे से आया है। वामिका ने बताया, 'आज का दर्शक बारीकियों और जटिलताओं को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां सामने आ रही हैं, जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं। यही सिनेमा की सबसे बड़ी ताकत है।' वामिका के मुताबिक,

इस बदलाव ने फिल्ममेकर्स और कलाकारों को भी नए प्रयोग करने की आज़ादी दी है। अब वे अलग-अलग तरह की कहानियां कह पा रहे हैं, जो पहले शायद मुख्यधारा में जगह नहीं बना पाती थीं। उनका मानना है कि यह दौर सिनेमा के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यहां से भविष्य की दिशा तय होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो वामिका गब्बी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की सुपरहिट फिल्म 'जब वी मेट' से की थी। इसके बाद उन्होंने पंजाबी सिनेमा में कई फिल्मों में काम कर खुद को एक लीडिंग अभिनेत्री के तौर पर स्थापित किया। वामिका तमिल, मलयालम और अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं और लगातार अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों को प्रभावित कर रही हैं।

अक्षय खन्ना को दृश्यम-3 के डायरेक्टर ने दी चुनौती, कहा- सोलो फिल्म करके दिखाएं, एक्टर के सपोर्ट में उतरे राइटर-डायरेक्टर रूमी जाफरी

अक्षय खन्ना 'दृश्यम -3' को छोड़ने की वजह से विवादों में हैं। फिल्म के मेकर्स ने अक्षय को लीगल नोटिस भेज चुके हैं। इस विवाद के बीच अक्षय के दोस्त और डायरेक्टर-राइटर रूमी जाफरी उनके सपोर्ट में सामने आए हैं। उनका दावा है कि धुरंधर की सक्सेस के बाद अक्षय में कोई बदलाव नहीं आया है। बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए उन्होंने कहा है- 'जब उनके पास कोई प्रोड्यूसर उन्हें साइन करने के लिए लाइन में नहीं लगा था, तब भी वे बहुत सोच-समझकर फिल्में चुनते थे। अब जब उनके पास कई विकल्प हैं, तब भी वे जल्दबाजी में फिल्में साइन नहीं कर रहे हैं। मुझे नहीं पता अक्षय और प्रोड्यूसर (कुमार मंगत पाठक) के बीच क्या हुआ। लेकिन अक्षय खन्ना इतने प्रोफेशनल हैं कि वे किसी भी काम से तब तक पीछे नहीं हटेंगे, जब तक उनके पास ऐसा करने का कोई वैलिड कारण न हो।' जब रूमी से पूछा गया कि फिल्म छोड़ने के लिए डिस्टर्बिंग एलिमेंट क्या हो सकते हैं? इसके जवाब में रूमी अक्षय के लिए कहते हैं- 'मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे इतना जरूर पता है कि जब मैंने उन्हें 'गली गली चोर है' के लिए साइन किया था, तब अक्षय मुझसे लगातार किसी ऐसे एक्टर को साइन करने की गुजारिश कर रहे थे, जो ज्यादा बिकने वाला हो। क्या यह किसी लालची इंसान की तरह लगता है?' वहीं, फिल्म के डायरेक्टर अभिषेक पाठक ने अक्षय खन्ना के 'दृश्यम-3' से बाहर होने प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें एक सोलो फिल्म बनाने की चुनौती दी है। साथ ही अजय देवगन की अक्षय के अचानक फिल्म छोड़ने पर प्रतिक्रिया का भी खुलासा किया है। अभिषेक ने बताया- 'उन्होंने (अजय ने) इसे पूरी तरह से मुझ पर छोड़ दिया था। वैसे, यह सब मेरे अक्षय और प्रोडक्शन से जुड़ा है इसलिए, मैं इस पहलू को छोड़ देना चाहूंगा कि हमने इस मामले को कैसे सुलझाया। यह सब नवंबर में कॉन्ट्रैक्ट पर साइन होने के बाद हुआ। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पांच दिन पहले उन्होंने फिल्म छोड़ दी। लुक फाइनल हो चुका था, कॉस्ट्यूम बन रहे थे, नरेशन हो चुका था और उन्हें कहानी बहुत पसंद आई थी।' अभिषेक ने आगे खुलासा किया कि अक्षय ने धुरंधर की रिलीज से एक दिन पहले फिल्म छोड़ दी थी और पहला मतभेद तब पैदा हुआ, जब अभिनेता ने विग पहनने पर जोर दिया। अभिषेक ने बताया कि चूंकि फिल्म वहीं से शुरू होती है जहां पिछली किस्त खत्म हुई थी, इसलिए अक्षय का किरदार तीसरे भाग में विग नहीं पहन सकता था।

मेरी फिल्म का नाम 'हवस' नहीं होना चाहिए था 'हिंदुत्व' से गाड़ी पटरी पर लौटी : करण राजदान

करण रजदान इंडस्ट्री के उन दिग्गजों में से हैं, जिन्होंने बतौर राइटर, एक्टर और डायरेक्टर, तीनों मोर्चों पर अपनी पहचान बनाई है। एनएसडी की पौध 64 साल के करण ने बतौर लेखक अपने करियर की शुरुआत दूरदर्शन पर बेहद पॉपुलर रही 'रजनी' और 'तहकीकात' जैसे धारावाहिकों से की। वह 'दिलवाले', 'दिलजले', 'दीवाने' और 'कयामत' जैसी फिल्मों के स्क्रिप्ट कंसल्टेंट रहे हैं। हालांकि, करियर का वह दौर भी आया, जब उन्होंने 'गर्लफ्रेंड', 'हवस', 'सौतन: द अदर वुमन' और 'मित्तल वर्सेस मित्तल' जैसी विवादित थीम वाली फिल्में भी लिखी और डायरेक्ट कीं। हाल ही उनकी फिल्म 'सायरा खान केस' भी आई। वह कहते हैं कि उनकी फिल्म का नाम 'हवस' नहीं होना चाहिए था। वह उस दौर को भी याद करते हैं, जब काम मिलना बंद हो गया और फिर कैसे 'हिंदुत्व' फिल्म से उनकी गाड़ी पटरी लौटी। वह 'हिंदुत्व 2' पर भी काम कर रहे हैं। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए करण राजदान कहते हैं, 'बचपन में फिल्मों का उतना शौक नहीं था, मगर 14 साल की उम्र में मुझे फिल्मों का ऐसा चस्का लगा कि मैं फिल्में देखने के लिए बंक मारने लगा। आगे चलकर मैंने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में दाखिला ले लिया। एफटीआईआई में भी मैंने 6 महीने बिताए, जहां से मेरी राइटिंग की समझ पक्की हुई। मुझे अहसास हुआ कि हीरो का रोल पाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है और विलेन बनने का मतलब था कि हमेशा मार खाते रहो, तो मुझे लगा कि लेखक ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति होता है, जिसके पास पूरी स्वतंत्रता होती है। इस तरह से बतौर लेखक मेरी यात्रा शुरू हुई।'

बासु चटर्जी ने मुझे राइटर से एक्टर बना दिया : पुराने दिनों को याद करते हुए वे कहते हैं, 'उस वक्त मेरी उम्र करीब पच्चीस साल रही होगी। मैं ताजा-ताजा नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से पास आउट होकर आया था। 'रजनी' के निर्देशक बासु चटर्जी थे। उन्होंने तब मेरे भीतर एक राइटर को पहचान लिया था। एक दिन ड्रिंक के दौरान बासु दा ने बताया कि उन्होंने पद्मिनी कोल्हापुरे के साथ पायलट शूट कर लिया है। दूरदर्शन ने सीरियल पास तो कर दिया था, लेकिन पद्मिनी के पास डेट्स नहीं थीं। तब उन्होंने मुझसे 'रजनी' के लिए तीन नाम पूछे, बिंदिया गोस्वामी, अनीता राज और प्रिया तेंदुलकर। मैंने तुरंत प्रिया के नाम पर मुहर लगा दी। बासु दा ने पूछा कि बिंदिया और अनीता जैसी जानी-मानी अभिनेत्रियों को छोड़कर मैं प्रिया को क्यों चुन रहा हूं। मैंने उनसे कहा, बिंदिया और अनीता की एक तय इमेज है, जबकि प्रिया की कोई बनी-बनाई छवि नहीं है। अगर वह यह किरदार करेंगी, तो पूरी तरह उसी में ढल जाएंगी। तब तक प्रिया मराठी और गुजराती में काम कर चुकी थीं। उनके पिता विजय तेंदुलकर मराठी थिएटर का बड़ा नाम थे।'

इसलिए 'रजनी 2.0' के लिए आराधना शर्मा को चुना गया : करण आगे कहते हैं, 'हालांकि मैं सीरियल का लेखक था, लेकिन बासु दा ने मुझे प्रिया के पति की भूमिका देकर एक्टर भी बना दिया। उन्होंने प्रिया से हंसते हुए कहा कि तुम्हारे लिए कोई पति नहीं मिल रहा था, तो करण को ही बना दिया। यही डायलॉग उन्होंने हमारी शादी में भी दोहराया। जब 'रजनी 2.0' की कास्टिंग की बारी आई, तो कई टीवी और फिल्म अभिनेत्रियां इस रोल को करने की इच्छुक थीं। लेकिन मैंने एक बार फिर बिना किसी इमेज वाली, थोड़ी-सी अननोन एक्ट्रेस आराधना शर्मा को चुना।'

करण ने बताया- दूरदर्शन के बाहर लगे थे मुर्दाबाद के नारे : करण राजदान याद करते हुए एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाते हैं। वह बताते हैं, 'हमने एक एपिसोड बनाया था, जो उन टैक्सी वालों पर आधारित था, जो मीटर डाउन करके सवारी ले जाने के लिए खड़े तो रहते थे, मगर चलते नहीं थे। अब ये कानून के खिलाफ है। मगर हमारे एपिसोड्स से टैक्सी वाले भड़क गए और उन्होंने वर्ली स्थित दूरदर्शन के ऑफिस के बाहर मोर्चा निकाला और नारेबाजी करने लगे। मगर बासु दा एकदम शांत थे। मैं हैरान था। मैंने जब पूछा तो वे बोले कि मुझे क्यों फर्क पड़ेगा? वो लोग बासु भट्टाचार्य मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे, मैं तो बासु चटर्जी हूं न? (हंस पड़ते हैं) तो आप ही सोचिए कि इतने तनाव भरे माहौल में भी उनका सेन्स ऑफ ह्यूमर कमाल का था। मैंने उनसे काफी कुछ सीखा।'

मेरी फिल्म का टाइटल 'हवस' नहीं होना चाहिए था' : करण राजदान उन लेखक-निर्देशकों में गिने जाते हैं, जिन्होंने 'रजनी' और 'तहकीकात' जैसे यादगार टीवी शोज लिखे, लेकिन बाद में उन्होंने 'मित्तल वर्सेस मित्तल', 'गर्लफ्रेंड' और 'हवस' जैसी विवादास्पद फिल्मों की ओर रुख किया। इस बदलाव की वजह बताते हुए वे कहते हैं, 'देखिए, मैं अपने इर्द-गिर्द घटती जिंदगी से ही कहानियां उठाता हूं। उसी दौर में मैंने तीन बुजुर्गों पर आधारित एक बेहद संवेदनशील फिल्म 'उमर' बनाई थी, लेकिन अफसोस कि दर्शक उसे देखने नहीं आए। जबकि उसमें सतीश कौशिक, कादर खान और प्रेम चोपड़ा जैसे मंझे हुए कलाकार थे और जिम्मी शेरगिल भी अहम भूमिका में थे।

वाणिज्य समाचार

रामराज कॉटन ने एलीट व्हाइट कॉटन फैब्रिक कलेक्शंस के साथ अपनी प्रीमियम पेशकश का विस्तार किया

नई दिल्ली। रामराज कॉटन, भारत में पारंपरिक पुरुष परिधानों का एक प्रतिष्ठित नाम, जिसने दशकों से सफेद रंग की सदाबहार सुंदरता और गरिमा को संजो कर रखा है। यह ब्रांड न केवल कपड़ों की गुणवत्ता, बल्कि परंपरा, शुद्धता और प्रीमियम आकर्षण का प्रतीक बन चुका है। रामराज व्हाइट अपनी ब्राइटनेस के लिए मशहूर है और इसकासिग्नेचर ब्राइट व्हाइटन केवल आंखों को सुकून देता है, बल्कि यह अब ब्रांड की अपनी एक अनूठी पहचान बन गया है। रामराज कॉटन को वास्तव में जो अलग करता है, वह है उसकी चमकदार सफेदी को दिन-प्रतिदिन, पूरे वर्ष भर प्रदान करने की क्षमता। शेड, क्वॉलिटी और फिनिश में अटूट स्थिरता के साथ, ब्रांड उद्योग में एक सबसे व्यापक व्हाइट फैब्रिक पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें 500 से अधिक वैरायटीज हैं जो 100% कॉटन, गीज़ा ब्लेंड्स, लिनेन कॉटन, पॉली विस्कोस, 100% गीजा कॉटन, शुद्ध लिनेन, पेपर फिनिश के साथ कॉटन और 100% सुपिमा कॉटन को कवर करती हैं। नए फैब्रिक कलेक्शन के बारे में, श्री के.आर. नागराजन, रामराज कॉटन के फाउंडर और चेयरमैन, ने कहा, 'रामराज कॉटन में हमारा उद्देश्य हमेशा से पारंपरिक शिल्प कौशल की जड़ों से जुड़े रहना रहा है, साथ ही हम दुनिया की सबसे प्रीमियम और सम्मानित कॉटन किस्मों को शामिल कर अपनी पेशकश को लगातार बेहतर बना रहे हैं। आज जब भी लोग शुद्ध कॉटन या सफेद कपड़ों के बारे में सोचते हैं, तो उनके मन में स्वाभाविक रूप से रामराज का नाम आता है। हमारी 4,000 से अधिक धोती वैरायटीज़ के साथ, यह नया कलेक्शन उसी विरासत का विस्तार है जिसे हमने सालों से संजोया है। यह एक ऐसी विरासत है जो हर बुनाई में अपने देश के गौरव, हमारे बुनकरों के कौशल और रामराज की पहचान बन चुकी शुद्धता को समेटे हुए है।' अपनी इसी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए, रामराज कॉटन ने अब दुनिया की सबसे बेहतरीन और चुनिंदा कपास किस्मों से तैयार प्रीमियम सफेद कपड़ों की एक नई श्रृंखला पेश की है। इन्हें खासतौर पर आज की आधुनिक सिलाई और स्टाइल की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि पारंपरिक मूल्यों को बरकरार रखते हुए भी एक समकालीन लुक मिल सके। ये कपड़े प्रीमियम शर्ट, धोती और पुरुषों के अन्य आवश्यक परिधानों के लिए एकदम सटीक हैं।

भारत के क्लीन एनर्जी ऊर्जा परिवर्तन को गति देगी यह एक रणनीतिक साझेदारी

मुंबई। सनटेक एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड जो अपने प्रमुख ब्रांड ट्रुजोन सोलर के बैनर तले काम कर रही है, ने आज महान क्रिकेटर, ग्लोबल स्पोर्ट्स आइकन और परोपकारी व्यक्तित्व श्री सचिन तेंदुलकर के साथ एक रणनीतिक निवेश और दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की। यह ऐतिहासिक साझेदारी ट्रुजोन सोलरह की विकास यात्रा में एक निर्णायक मील का पत्थर साबित होगी। 2030 तक भारत की शीर्ष तीन सोलर ईपीसी कंपनियों में शामिल होने की उसकी महत्वाकांक्षा को मजबूती प्रदान करेगी भरोसे, उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक श्री तेंदुलकर के साथ जुड़ाव ट्रुजोन सोलर की ब्रांड विश्वसनीयता को उल्लेखनीय रूप से मजबूत करने के साथ उसे एक सच्ची राष्ट्रीय क्लीन एनर्जी कंपनी के रूप में आगे बढाता है। यह रणनीतिक निवेशट्रुजोन सोलर के अगले विस्तार चरण को समर्थन देगा। इसमें निष्पादन क्षमताओं का विस्तार, परिचालन इंफ्रास्ट्रक्चर को गहरा करना और सोलर वैल्यू चैन में डिलीवरी को और मजबूत करना शामिल है। कंपनी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में अपनी मजबूत उपस्थिति के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और केरल जैसे उच्च-क्षमता वाले बाजारों में आक्रामक विस्तार करेगी। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए ट्रुजोन सोलर के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री चरुगुंडला भवानी सुरेश ने कहा, 'श्री सचिन तेंदुलकर के साथ यह साझेदारी केवल एक निवेश नहीं। यह हमारे मूल्यों, सुशासन और दीर्घकालिक दृष्टि की पुष्टि करता है। ट्रुजोन सोलर में उनका विश्वास एक भरोसेमंद, स्केलेबल और भविष्य के लिए तैयार सोलर उद्यम बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। साथ मिलकर, हम क्लीन एनर्जी को देशभर के घरों, व्यवसायों और उद्योगों के लिए एक मुख्यधारा और जिम्मेदार विकल्प बनाने का लक्ष्य रखते हैं। 'ट्रुजोन सोलर हाउसिंग, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक तथा बड़े पैमाने की अवसंरचना परियोजनाओं में कार्य करता है। विकास जीवन-चक्र के पूर्ण स्वामित्व के साथ एंड-टू-एंड सोलर समाधान प्रदान करता है। इसकी एकीकृत क्षमताओं में यूटिलिटी-स्केल ईपीसी परियोजनाएं, रूफटॉप सोलर सिस्टम, पीएम- कुसुम, कृषि सोलर कार्यक्रम, औद्योगिक सीएसजी परियोजनाएं तथा व्यापक संचालन एवं रखरखाव सेवाएं शामिल हैं। मजबूत निष्पादन रिकॉर्ड, ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण और बढ़ती राष्ट्रीय उपस्थिति के साथ ट्रुजोन सोलर गुणवत्ता, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक प्रभाव पर केंद्रित एक विशिष्ट सोलर प्लेटफॉर्म का निर्माण कर रहा है। श्री सचिन तेंदुलकर के साथ यह साझेदारी हितधारकों के भरोसे को और बढ़ाएगी, रणनीतिक सहयोगों के नए अवसर खोलेगी और भारत के तेजी से विकसित हो रहे नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य में कंपनी की लीडरशिप स्थिति को मजबूत करेगी। इस साझेदारी की लीडरशिप दृष्टि भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में सार्थक योगदान देना है। ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों के लाखों उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए सशक्त बनाकर। ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, उज्ज्वल और आत्मनिर्भर भविष्य का निर्माण किया जा सके।

सर्राफा बाजार में जबरदस्त गिरावट, मुनाफा वसूली के दबाव से सोना-चांदी के घटे भाव

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। ग्लोबल मार्केट में पिछले सत्र के दौरान हुई जोरदार मुनाफा वसूली के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव में कमजोरी आ गई। सर्राफा बाजार में मंगलवार को हाजिर सोना 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह हाजिर चांदी की कीमत भी मंगलवार को 17,450 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम हो गई है। कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना मंगलवार को 1,39,240 रुपये से लेकर 1,39,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना मंगलवार को 1,27,640 रुपये से लेकर 1,27,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी जबरदस्त कमी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को 2,35,440 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में मंगलवार को 24 कैरेट सोना 1,39,390 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना मंगलवार को 1,39,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना मंगलवार को 1,39,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

हनुमान चालीसा पाठ के साथ पार्षद डॉ. अनामिका सिंह ने मनाया पुत्री का जन्मदिन

जतिन नचरानी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम रायपुर की एमआईसी सदस्य एवं रानी दुर्गावती वार्ड–49 (पूरेना) की पार्षद डॉ. अनामिका सिंह के निज निवास पर उनकी पुत्री के जन्मदिवस के अवसर पर सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न इस कार्यक्रम में रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, पार्षद एवं एमआईसी सदस्य दीपक जायसवाल तथा जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा एवं पार्षद श्रीमती कृतिका जैन ने उपस्थित होकर बच्ची को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के दौरान भक्तिमय माहौल रहा। उपस्थितजनों ने भगवान हनुमान से परिवार की सुख–समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

कलेक्टर उइके ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं, मिले 21 आवेदन

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर बीएस उइके ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले के अलग–अलग क्षेत्रों से आये लोगों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर ने आज जनदर्शन में 21 लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में ग्राम मुरमुरा की भगवती बाई साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रतिक्षा सूची में नाम जोड़ने के लिए, ग्राम मुढ़ीपानी के सरजुराम ने वन भूमि के संबंध में, ग्राम कोकड़ी की साक्षी साहू ने पेंशन दिलाने के लिए, ग्राम कोकड़ी के बुधराम साहू ने रकबा में सुधार कराने एवं नाम जुड़वाने के लिए, ग्राम कुरूद के जितेन्द्र कुमार साहू ने श्रम आईडी में त्रुटी सुधार कराने के लिए, नगर पंचायत फिंगेश्वर के हिमांशु निर्मलकर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फिंगेश्वर में काम दिलाने के लिए, ग्राम बेलर के प्रीतम चंद साहू ने राजस्व अभिलेख में त्रुटी सुधार कराने के लिए, नगर पंचायत कोपरा के नगरवासियों ने पानी निकासी एवं नहर में लाईनिंग के लिए, ग्राम बेलटुकरी के लखनलाल साहू ने समस्या का निराकरण कराने के लिए, ग्राम मुरमुरा के अशोक कुमार यादव ने वन परिक्षेत्र पाण्डुका अंतर्गत चौकीदार का काम दिलाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किये। इस पर कलेक्टर श्री उइके ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ श्री प्रखर चन्द्राकर, अपर कलेक्टर श्री पंकज डाहिरे, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ सहित जिला अधिकारी मौजूद रहे।

शिव शक्ती
आयुर्वेदिक प्रचार गाड़ी
(मायुष जवानो के लिये नया सेंदेश)

क्या आप अपनी बिमारीयों का ईलाज करा के परेशान है और कोई फायदा नहीं मिला तो हमारे यहाँ एक बार अवश्य मिले यहाँ गारंटी से ईलाज किया जाता है।

नोट: पुरुष रोग - नामर्दी, शीघ्र पतन, स्वपनदोष, नपुंसकता, धातु पतला, पेशाब से धातु जाना, लिंग की कमजोरी, स्थिलता लिंग में टेड़ापन या लुझपन या ढीला हो जाना, शुक्राणु की कमी होना, ना बनना, कामौत्तेजना की कमी, संतान न होना आदि सभी समस्या का सटीक अयुर्वेद के माध्यम से ईलाज किया जाता है।

नोट: स्त्री रोग - सफेद पानी जाना, लिकोरीया, महावारी खराब

नोट: बिमारी लीवर कमजोर, कब्ज, गैस, एसीडीटी, पेट की खराबी, अलशर, बवासीर, रघुनी, बादी, मस्सा होना, गठिया वात, सायटीका, बात, लकवा, घुटनो, कमर दर्द, कैल्शियम की कमी, सुगर, मोटापा, दाद, खाज, खुजली, बालो का झाड़ना, गंजापन, इन सभी बीमारीयों का ईलाज आयुर्वेदी ग्रन्थो के अनुसार तैयार दवाईयो एवं जड़ी-बुटीयो के माध्यम से किया जाता है।

मो.नं. 6264268621

पता : भारत माता चौक, गुढ़ियारी थाना के पास स्टेशन रोड, रायपुर (छ.ग.)

प्रत्येक माह की 07 को रोजगार दिवस के साथ मनाया जाएगा आवास दिवस

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में हर माह की 07 तारीख को सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस के साथ आवास दिवस भी मनाया जाएगा। जिससे प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के क्रियान्वयन में मजबूती आएगी तथा योजना से संबंधित समस्याओं का निराकरण होगा। चावल उत्सव के साथ प्रत्येक माह की सात तारीख को रोजगार दिवस एवं आवास दिवस आयोजित होगा।

सीईओ श्री अग्रवाल ने इस संबंध में सभी जनपद पंचायतों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए हैं, जिसमें आवास दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों में हितग्राहियों की सूची

का वाचन, 90 दिवस के संबंध में जानकारी, शीघ्र आवास पूर्ण करने वाले हितग्राहियों का सम्मान, लंबित किश्तों का त्वरित हस्तांतरण, मनरेगा की मजदूरी भुगतान की चर्चा, आवास में आ रही समस्याओं का निदान, सामग्री की उपलब्धता, आवास की गुणवत्ता तथा उससे संबंधित तकनीकी बिन्दुओं की जानकारी आदि एवं लाभार्थियों की समस्याओं के निदान हेतु टोल फ्री नंबर 1800–232–1290 के व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश भी दिए गए है। आवास दिवस का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के आवास में आने वाली समस्याओं को दूर करना तथा आवास हितग्राहियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना जिससे आवास निर्माण कार्य में गति आए।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्रमांक-05, रायपुर

// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्र. 267/ जोन क्र. 5/ लो.क.नि. / 2025 रायपुर, दिनांक 29.12.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'द' से प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यो हेतु सीलबंद निविदायें तीन लिफाफा पद्धति में दिनांक 19.01.2026 तक को 4:00 बजे तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्रमांक 5 में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये दिनांक 09.01.2026 तक आवेदन के साथ निर्धारित निविदा प्रपत्र की राशि जमा करने के पश्चात् प्राप्त किये जा सकेंगे। दिनांक 14.01.2026 तक निविदा प्रपत्र जारी होंगे। प्राप्त निविदाये दिनांक 19.01.2026 को सायं 05.00 बजे खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि	एस.ओ.आर. नॉन एस.ओ.आर
1	जोन क्रमांक 05 अंतर्गत 02 अतिरिक्त कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं 02 अकुशल श्रमिक उपलब्ध कराने बाबत्।	8.78	8800/-	750/-	12 माह	Collector Rate
2	जोन क्रमांक 05, वार्ड क्र. 40 पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड अंतर्गत पुराने पाईप लाईन में हुए लीकेज का मरम्मत कार्य।	1.00	3000/-	300/-	2 माह	PHE SOR 01.06.20
3	वामनराव लाखे वार्ड क्र. 66 अंतर्गत दन्तेश्वरी मंदिर के पास एवं अन्य स्थानों पर लोहे की चेम्बर लगाने का कार्य।	1.00	3000/-	300/-	02 माह	P.W.D. S.O.R. Building 01.01.15
4	जोन क्रमांक 05 अंतर्गत ऑफिस बिल्डिंग के राजस्व विभाग में संधारण एवं मरम्मत कार्य।	0.95	3000/-	300/-	02 माह	P.W.D. S.O.R. Building 01.01.15
5	वामनराव लाखे वार्ड क्र. 66 अंतर्गत पीयुष नगर, डबरी पारा एवं रामजानकी भवन के पास पाईप लाईन मरम्मत कार्य।	3.17	5200/-	750/-	03 माह	PHE SOR 01.06.20

शर्ते –

1. निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्ट से ही प्राप्त किया जाएगा।
2. कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 से प्राप्त की जा सकती है।
3. तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मो के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. – 5
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गिला और सूखा कचरों को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

मैट्रेस (गद्दा) 30% से 50% लेस
चादरे 9x9 400 से 1000 तक | कर्म्फटर दोहड़ | कम्बल रजाई
प्रोटेक्टर तकिया | सोफा कमबेड रजाई-गद्दा कव्हर | टावेल रुई गद्दा | सोफा कव्हर
पुराना गद्दा लाये नया ले जाये
संजय रुई भंडार
निराकांरी फर्नीचर के पीछे कांच घर गोडाउन के पास, पंडरी रायपुर
9827976266, 7987918262

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस – कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेबीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

ए.एस. एसोसिएट्स
प्रथम तल, आनंद भवन गुरुनानक चौक, रायपुर
मो. 93020-77741, 98271-62101

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

बलौदाबाजार में स्थापित मूर्तियों को लेकर फॉरेंसिक जांच

निर्माण गुणवत्ता से जुड़ी जानकारी सामने आई

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

जिला मुख्यालय बलौदाबाजार नगर में स्थापित विभिन्न मूर्तियों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर जिला बलौदाबाजार पुलिस द्वारा फॉरेंसिक टीम से जांच कराई गई। नगर पालिका अध्यक्ष बलौदाबाजार द्वारा सिटी कोतवाली थाना में मूर्तियों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना दर्ज कराई गई थी। सूचना के बाद थाना सिटी कोतवाली का पुलिस बल एवं फॉरेंसिक अधिकारी राजीव पंकज द्वारा मौके पर पहुंचकर मूर्तियों की जांच की गई।

पुलिस एवं फॉरेंसिक जांच में प्रथम दृष्टया यह जानकारी सामने आई है कि मूर्तियों का निर्माण निम्न गुणवत्ता सामग्री से किया गया था तथा उनमें पहले से दरारें मौजूद थीं।

जांच रिपोर्ट के अनुसार मूर्तियों का टूटकर गिरना निर्माण गुणवत्ता और पूर्व में मौजूद दरारों से संबंधित हो सकता है।

पुलिस द्वारा इस संबंध में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को स्थापित मूर्तियों की विस्तृत जांच कराने हेतु पत्राचार किया गया है। लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर मूर्तियों के निर्माण कार्य से जुड़ी एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में स्थापित प्रतिमाओं एवं मूर्तियों की सुरक्षा और निगरानी के उद्देश्य से संबंधित स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार को पत्राचार किया गया है।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत कैमरों का फीड कंट्रोल रूम बलौदाबाजार में उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

मुफ्त बिजली योजना से जिले के 900 से अधिक घर रोशन

रायगढ़, , प्रतिदिन राजधानी

योजना के तहत डबल सब्सिडी का प्रावधान, जिले के नागरिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर /अब रायगढ़ जिले के घरों की छतें सिर्फ छाया ही नहीं दे रहीं, बल्कि बिजली भी पैदा कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी पहल प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने जिले को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। वहीं कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिलेभर में ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के माध्यम से लोगों को योजना की जानकारी दी जा रही है। इसी का परिणाम है कि जिले में अब तक 900 से अधिक घरों में सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित हो चुके हैं और 676 परिवारों को सब्सिडी की राशि सीधे उनके खाते में मिल चुकी है। इस योजना के तहत अब तक जिले के 33 सौ से अधिक लोगों ने आवेदन किया है। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि आमजन ने इस योजना को पूरे विश्वास के साथ अपना रहे है। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि योजना के अंतर्गत 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही बैंक के माध्यम से आसान किश्तों पर ऋण सुविधा मिलने से मध्यम और सामान्य आय वर्ग के परिवार भी सोलर प्लांट लगाने के लिए आगे आ रहे हैं। योजना से लाभान्वित हितग्राहियों का कहना है कि सोलर प्लांट लगने के बाद हर माह 4 से 5 हजार रुपये तक की सीधी बचत हो रही है। पहले जहां बिजली बिल एक चिंता हुआ करता था, अब वही बिजली घर की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता का माध्यम बन गई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में योजना को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 1 किलोवाट सोलर प्लांट से प्रतिमाह लगभग 120 यूनिट, 2 किलोवाट से 240 यूनिट तथा 3 किलोवाट प्लांट से लगभग 360 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की तीन दिनी हड़ताल, सरकारी कार्यालयों में काम

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

बलौदाबाजार कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन द्वारा प्रांतीय आह्वान पर सोमवार से तीन दिवसीय आंदोलन की शुरुआत की गई। आंदोलन के पहले दिन कर्मचारियों ने दशहरा मैदान में धरना प्रदर्शन किया। आंदोलन के कारण जिले के शासकीय कार्यालयों में कार्य प्रभावित रहा।

फेडरेशन द्वारा यह आंदोलन अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर किया जा रहा है।

कर्मचारियों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में केंद्र सरकार के समान महंगाई भत्ता (डीए) प्रदान करना, पिछले पांच वर्षों से लंबित एरियर राशि को जीपीएफ खाते में समायोजित करना, सभी कर्मचारियों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान देना, तथा विभिन्न विभागों में वेतन विसंगतियों को दूर करने के लिए पिंगुवा समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करना शामिल है। फेडरेशन के अनुसार सहायक शिक्षकों और पशु चिकित्सा अधिकारियों को अभी तक तृतीय समयमान वेतनमान नहीं दिया गया है। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्ति नियमों में 10 प्रतिशत सीमा में शिथिलीकरण, प्रदेश में कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने, अर्जित अवकाश नगदीकरण 300 दिन करने, दैनिक वेतनभोगी, संविदा और प्लेसमेंट कर्मचारियों के नियमितीकरण तथा सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने जैसी मांगें भी रखी गई हैं। फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ. एल.एस. ध्रुव ने कहा कि कर्मचारियों से संबंधित मांगों को लेकर सरकार द्वारा आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक उन पर निर्णय नहीं हुआ है। इसी कारण कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह आंदोलन तीसरे चरण का है और इसके तहत प्रदेशभर में सामूहिक अवकाश लेकर धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। फेडरेशन के अनुसार, यदि मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया तो आगे आंदोलन को और आगे बढ़ाया जाएगा। आंदोलन में जिले के विभिन्न विभागों और संगठनों के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

आंदोलन में जिला संयोजक डॉ. एलएस ध्रुव, जिलाध्यक्ष मनोज कुमार दुबे सुरेश कुमार पैकरा, प्रकाश कुमार तिवारी संतोष साहू कामता जांगड़े विजय साहू अविनाश तिवारी वायल राबात विनोद कुर्रे सरोज बाघमार माखन चंद्राकर रमेश कुमार नेगी संतोष वैष्णव, डॉ. बी एल ध्रुव, लोकेश वर्मा रोशन देवांगन डॉक्टर एस एन उपाध्याय पेखन तोंडे अमित शुक्ला रमाशंकर कंवर सुनील तिवारी एमपी बंदे अजय पांडेय डी एस नेताम मनोज साहू गुहाराम माहेश्वरी रामेश्वरी हरिशंकर जोशी कमलेश धनगर बरसेलाल मंडलेश्वर दीपचंद भारती संजय येदु राजू पांडेय सतीश नायक टीकाराम यादव संतोष रजक कोमल साहू आशीष तिवारी नंदलाल देवांगन शत्रुघन यादव, अरुण साहू, गजानन तरम, कोमल पोडवार भीमसेन जमवंत वर्मा बेनीराम साहू राजकुमार ध्रुव, देवेंद्र साहू चितेश्वर वर्मा मनबोध टंडन पी. के. हिरवानी मंगल ध्रुव, एम. एल. साहू, राजेश नेताम, पी. आर. धीवर आदि शामिल रहे।

जल जीवन मिशन से मुंगेली जिले में हर घर नल-जल का सपना हो रहा साकार

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

674 ग्रामों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की दिशा में तेज प्रगति 1.48 लाख से अधिक परिवारों को मिला नल कनेक्शन

जल जीवन मिशन शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य हर घर नल से शुद्ध जल उपलब्ध कराना है। इस योजना के अंतर्गत मुंगेली जिले के सभी 674 ग्रामों में घर-घर शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। अब तक जिले के 01 लाख 48 हजार 875 परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है। योजना के अंतर्गत जिले के 236 ग्रामों को हर घर जल ग्राम घोषित कर संबंधित ग्राम पंचायतों को योजना का हस्तांतरण किया जा चुका है। शेष ग्रामों में भी कार्य पूर्ण कर शीघ्र ही हर घर जल घोषित करने की प्रक्रिया प्रगतिरत है। विकासखंड मुंगेली अंतर्गत 126 ग्राम पंचायतों के 263 ग्रामों हेतु योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें से 100 ग्रामों में कार्य पूर्ण हो चुका है, वहीं 94 ग्रामों में हर घर जल कार्य पूर्ण कर योजना का संचालन ग्राम पंचायतों द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 215 उच्च स्तरीय जलागार स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 141 का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। समाचार पत्र में उल्लेखित ग्रामों की स्थिति के अनुसार ग्राम सेतगंगा राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के कारण प्रभावित है, जहां पाइप

लाइन शिफ्टिंग का कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा किया जा रहा है। ग्राम विचापुर और शुक्लामाठा में टेस्टिंग कार्य प्रारंभ कर आंशिक रूप से जल प्रदाय शुरू किया गया है। ग्राम नागपहरी एवं मुढ़ापार में योजना पूर्ण कर ग्राम पंचायत को हस्तांतरित कर दी गई है। ग्राम बिजातराई में कार्य प्रगतिरत है, जबकि ग्राम तरकपुर में टेस्टिंग एवं आवश्यक सुधार कार्य जारी है। ग्राम कंचनपुर में असामाजिक तत्वों द्वारा सोलर पैनल चोरी किए जाने से जल प्रदाय बाधित हुआ है, जिसकी भरपाई की कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार द्वारा जल जीवन मिशन के योजनाओं के सुचारु की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में विभागीय अधिकारियों को योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। कलेक्टर द्वारा फील्ड स्टाफ को भी सतत निगरानी एवं त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है।

जनदर्शन में सुनी गई आमजनों की समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

जिला कलेक्टोरेट में आज जनदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एडीएम श्रीमती निष्ठा पांडेय तिवारी ने जिले के विभिन्न ग्रामों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान जनदर्शन में 135 आवेदन प्राप्त हुए।

अपर कलेक्टर ने सभी आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनदर्शन आमजन और प्रशासन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है, इसलिए प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर समय-सीमा में समाधान किया जाए। जनदर्शन के दौरान ग्राम कुधुरताल की अनारकली ने शौचालय निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। वहीं ग्राम कोयलारी छटन निवासी भागीरथी साहू ने बैटरी चालित सायकल उपलब्ध कराने की मांग रखी। लोरमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम खेकतरा हरदी के भुनेश्वर प्रसाद अनंत ने अपने मोहल्ले में जल

निकासी की समस्या बताते हुए नाली निर्माण कराए जाने का अनुरोध किया।

इसी तरह ग्राम खपरी के गिरजा शंकर मिश्रा ने एग्रीस्टेक योजना के अंतर्गत धान विक्रय से संबंधित समस्या का आवेदन दिया। ग्राम कोतरी के संतोष कुमार ने भूमि रकबा सुधार कराने तथा पथरिया विकासखंड के ग्राम पेटुलकापा निवासी जगदीश ने भूमि सीमांकन कराए जाने की मांग की। जनदर्शन में इसके अलावा भी कई नागरिकों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन सौंपे। एडीएम ने आवेदनों के निसमानुसार निराकरण करने आश्वस्त किया। इस अवसर पर पथरिया एसडीएम श्रीमती रेखा चंद्रा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सारिका मित्तल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में धान खरीदी सुचारु रूप से जारी, 37 हजार किसानों ने बेचा धान

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

22 लाख क्विंटल से अधिक की हुई धान खरीदी अवैध परिवहन एवं भंडारण के मामले में धान जब्ती 50 हजार क्विंटल पार, 161 प्रकरणों में की गई कार्रवाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुव्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर जिले के समस्त उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धान खरीदी की जा रही है। जिले में अब तक कुल 22 लाख 20 हजार 637.60 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 50029.60 लाख रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है।

21 हजार कृषकों द्वारा

2,664.937 हेक्टेयर रकबा समर्पित

उपार्जन केन्द्रों में उपलब्ध सुविधा, सुव्यवस्थित टोकन प्रणाली और समयबद्ध भुगतान की व्यवस्था के चलते किसान सहजता के साथ अपनी उपज का विक्रय कर पा रहे हैं। अब तक जिले में कुल 37,041 किसानों द्वारा धान विक्रय किया गया है। इनमें 13,682 सीमांत किसान, 20,609 लघु किसान तथा 2,750 दीर्घ किसान शामिल हैं। धान खरीदी को पारदर्शी एवं नियंत्रित बनाए रखने के उद्देश्य से रकबा समर्पण की प्रक्रिया भी शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित की जा रही है। जिले के 21 हजार 688 कृषकों द्वारा अब तक कुल 2,664.937 हेक्टेयर कृषि भूमि का रकबा समर्पित किया गया है।

अब तक 50 हजार 293 क्विंटल अवैध धान जब्त

धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। इस क्रम में अब हुए 50 हजार 293 क्विंटल अवैध उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। कलेक्टर एवं शासन के निर्देशों के अनुरूप संचालित हो तथा वास्तविक किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पूंजीपतियों को परिवहन टेंडर देने की साजिश रच रहे हैं अफसर-विकास

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

विपणन विभाग के अधिकारियों पर टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता और एसटी-एससी ठेकेदारों के साथ भेदभाव करने का आरोप सिद्धी विनायक ट्रांसपोर्ट फर्म के विकास कुमार ने पत्रकारवार्ता में लगाया है। उन्होंने कलेक्टर से भी इसकी शिकायत की है।

उन्होंने पत्रकारों को बताया कि छग के विपणन विभाग और भारतीय खाद्य निगम के अधिकारी धान लोडिंग-अनलोडिंग एवं परिवहन टेंडर में पूंजीपति ठेकेदारों के साथ मिलीभगत कर सिंडीकेट बनाकर काम कर है। इसके कारण छग शासन को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुझे टेंडर में कमी बताकर दस्तावेज जमा करने के लिए 48 घंटे का समय जेम पोर्टल में दिया गया। किंतु बाद में मेरी बोली रद्द कर दी गई। मैंने अधिकारियों को बताया कि सर्वर के कारण कुछ दस्तावेज आनलाईन सबमिट नहीं हो पाया। इस पर बताया गया कि जेमपोर्टल में 48 घंटे के भीतर जमा किया जा सकता है। क्योंकि टेंडर प्रक्रिया ऐसी है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद वह पोर्टल लॉक के बाद सबमिट समय पर दस्तावेज समिट कर दिया तो बोली में भाग लेने दिए जाना चाहिए। किंतु कुछ अधिकारी समय सीमा को ही कारण बताकर बोली रद्द कर दिया है।

स्माल गार्डनिंग से शहर सौंदर्यीकरण को मिल रहा नया लुक

कोरबा , प्रतिदिन राजधानी

स्माल गार्डनिंग से शहर सौंदर्यीकरण को मिल रहा नया लुक, जगह-जगह मुस्कुरा रहे नयनाभिराम रंग बिरंगे फूल व पौधे (महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में चौक-चौराहों, सड़कों के किनारे की गई स्माल गार्डनिंग) ऊर्जाधानी औद्योगिक नगरी कोरबा के शहर सौंदर्यीकरण को स्माल गार्डनिंग के द्वारा मनमोहक नया लुक दिया जा रहा है, चौक-चौराहों व सड़कों के किनारे स्माल गार्डनिंग कर विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित किए गए हैं, जिन में नयनाभिराम रंग बिरंगे फूल मुस्कुरा तथा पौधे सुंदरता बिखेर रहे हैं, इनसे चौक-चौराहों की सुंदरता बढ़ रही है, वहीं लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी लगातार सामने आ रही हैं, वे शहर सौंदर्यीकरण की दिशा में निगम के इस कदम की प्रशंसा कर रहे हैं।

नगर पालिक निगम कोरबा के

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में निगम द्वारा विभिन्न चौक-चौराहों, सड़कों किनारे तथा विविध स्थानों पर स्माल गार्डनिंग की गई है। निगम द्वारा सीएसईबी चौक, सुभाष चौक, घंटाघर, अप्पू गार्डन, निगम कार्यालय साकेत, कलेक्ट्रेट एटीएम के पास, डी-1, डी-2 आवासगृह के समीप स्माल गार्डनिंग की गई हैं, इसके अंतर्गत विभिन्न थीम व डिजाईन पर विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित किए गए हैं, जिनमें रंग-बिरंगे फूल मुस्कुरा तथा स्माल पौधे सौंदर्य बिखेर रहे हैं, इससे शहर व स्थल की सुंदरता को नया लुक मिल रहा है, वहाँ से आने जाने वाले लोग अनायास ही इनसे आकर्षित हो रहे हैं।

निगम का सराहनीय कदम - सुभाष ब्लाक कोरबा निवासी फिरतराम यादव कहते हैं कि निगम ने जगह-जगह स्माल गार्डनिंग कर फूलदार पौधे रोपित किए हैं, साकेत भवन परिसर में भी इन पौधों का रोपण किया गया है, वहाँ पर एक ओर जहाँ रंग-बिरंगे फूल मुस्कुरा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शाम के समय वाटर फाउंटेन चलने से वहाँ पर मनोहारी दृश्य उपस्थित होता है। यादव ने यह भी कहा कि वर्तमान में निगम की साफ-सफाई व्यवस्था में अच्छी कसावट लाई गई है तथा शहर साफ-सुथरा दिखता है, मैं निगम के इस कदम की सराहना करता हूँ। बढ़ रही शहर की सुंदरता - एम.पी.नगर निवासी पवनदास दीवान का कहना है कि चौक-चौराहों में स्माल गार्डनिंग कर रंग-बिरंगे फूलदार पौधे निगम द्वारा लगाए गए हैं, इससे शहर की सुंदरता बढ़ रही है, आने-जाने वाले लोग अनायास ही इनसे आकर्षित हो रहे हैं।

1100 कट्टा धान जब्त

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

महासमुंद जिले के बागबाहरा विकासखंड अंतर्गत एसडीएम नमिता मारकोले के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा दो प्रकरणों में 1100 कट्टा धान जब्त किया गया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम टेमरी में अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए एक वाहन को पकड़ा गया। जांच के दौरान वाहन में कुल 300 कट्टा धान पाया गया। जिसके वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। मौके पर राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा धान को जब्त कर मंडी समिति को सुपुर्द किया गया तथा संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इसी प्रकार एक अन्य कार्रवाई में सिद्ध ट्रेडस,कोमाखान के प्रोपराइटर आशीष जैन के ग्राम मौलीमुड़ा नवाडीह स्थित गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में 800 कट्टा अवैध पक्ष द्वारा संतोषजनक अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मंडी गई। जब्त धान को मंडी समिति के सुपुर्द किया गया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि जिले में अवैध धान खरीदी, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रक्षा मंत्रालय ने क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन और हैवी वेट टॉरपीडो के लिए 4,666 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने 30 दिसंबर, 2025 को क्लोज क्वार्टर बैटल (सीक्यूबी) कार्बाइन और हैवी वेट टॉरपीडो की खरीद के लिए कुल 4,666 करोड़ रुपये की लागत के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए। ये अनुबंध रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली में संपन्न हुए।

क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन

भारतीय सेना और नौसेना के लिए 2,770 करोड़ रुपये के 4.25 लाख से अधिक क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन और सहायक उपकरणों के अनुबंध पर भारत फोर्ज लिमिटेड और पीएलआर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ हस्ताक्षर किए गए। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' की विजन के अंतर्गत भारतीय सैनिकों को विश्व-स्तरीय मारक क्षमता से लैस करने और पुरानी प्रणालियों को अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक से बदलने के असाधारण और निरंतर प्रयासों की परिणति है।

आधुनिक पैदल सेना के शस्त्रागार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के नाते, क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन अपने कॉम्पैक्ट डिज़ाइन

और उच्च मारक क्षमता के कारण निकटवर्ती युद्ध में निर्णायक बढ़त प्रदान करती है, जिससे सीमित स्थानों में भी त्वरित और निर्णायक मारक क्षमता सुनिश्चित होती है। यह अनुबंध सरकार और निजी क्षेत्र के बीच तालमेल को दर्शाता है, जिससे मेक-इन-इंडिया पहल को और गति मिलेगी। यह परियोजना समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और कंपोनेंट के निर्माण और कच्चे माल की आपूर्ति के माध्यम से भारतीय लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित करके स्वदेशी रक्षा उद्योगों को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भारी वजन वाले टॉरपीडो

भारतीय नौसेना की कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों (पी-75) के लिए 48 भारी वजन वाले टॉरपीडो और संबंधित उपकरणों की खरीद और एकीकरण के लिए लगभग 1,896 करोड़ रुपये की लागत से इटली की डब्ल्यूएएसएएस सबमरीन सिस्टम्स एस.आर.एल. के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इस अधिग्रहण से छह कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों की युद्ध क्षमता में वृद्धि होगी। टॉरपीडो की डिलीवरी अप्रैल, 2028 से शुरू होगी और 2030 की शुरुआत तक पूरी हो जाएगी।

इन टॉरपीडो में महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताएं और उन्नत तकनीकी विशेषताएं हैं। यह अधिग्रहण विशिष्ट तकनीकों और उन्नत क्षमताओं वाले हथियारों को शामिल करके भारतीय नौसेना की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1,82,492 करोड़ रुपये के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

सर्व धर्म पूजा के साथ एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का शुभारंभ

- **इस कार्यक्रम में 898 महिला कैडेट सहित कुल 2406 कैडेट शामिल हुए**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) 2026 का शुभारंभ 30 दिसंबर, 2025 को दिल्ली कैंट स्थित कारियाप्पा परेड ग्राउंड में 'सर्व धर्म पूजा' के साथ हुआ। एक माह तक चलने वाले इस शिविर में कई अंतर-निदेशालय प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिनमें सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता, लघु शस्त्र फायरिंग, कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के दौरान मार्चिंग दस्ते और फ्लैग एरिया डिजाइनिंग शामिल हैं।

इस वर्ष के गणतंत्र दिवस शिविर में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से 898 महिला कैडेट सहित कुल 2406 कैडेट भाग ले रहे हैं। युवा विनिमय कार्यक्रम (वाईईपी) के तहत 25 विदेशी मित्र देशों (एफएफसी) के कैडेट और अधिकारी भी इस समारोह में भाग लेंगे।

एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने कैडेट का स्वागत किया और उन्हें गणतंत्र दिवस शिविर के लिए चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कैडेट से आग्रह किया कि वे 'राष्ट्र सर्वोपरि' की सच्ची भावना से प्रेरित होकर धर्म, भाषा और जाति के भेदभाव को दूर करते हुए चरित्र, सत्यनिष्ठा, निस्वार्थ सेवा, भाईचारा और टीम वर्क जैसे सर्वोच्च गुणों का प्रदर्शन करें।

गणतंत्र दिवस शिविर 'एकता और अनुशासन' के अपने आदर्श वाक्य को कायम रखते हुए, देश भर से एनसीसी कैडेट को प्रशिक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अवसर प्रदान करता है, इससे उनमें देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व की भावना सुदृढ़ होती है।

पीएम-युवा तृतीय चरण के परिणाम घोषित :

22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में 43 युवा लेखकों का चयन

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट-एनबीटी-इंडिया द्वारा कार्यान्वित प्रधानमंत्री युवा लेखक मार्गदर्शन योजना-तृतीय के परिणाम एनबीटी-इंडिया की वेबसाइट पर घोषित कर दिए गए हैं। योजना का उद्देश्य नवोदित लेखकों की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण के अवसर, संपादकीय सहायता और अपनी पुस्तक प्रकाशित करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना है। इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप युवा लेखकों को उनके लेखन और विचारों द्वारा राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

पीएम-युवा तीसरे चरण के तहत, 30 वर्ष से कम आयु के 43 युवा लेखकों का राष्ट्रीय स्तर पर 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में उनके पुस्तक प्रस्तावों के आधार पर चयन किया गया है। इनमें असमिया, बांग्ला, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, मैथिली, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू भाषा में लेखन प्रस्ताव शामिल हैं। व्यापक स्तर पर विभिन्न भारतीय भाषाओं में युवा लेखकों का चयन देश में समावेशी साहित्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य को बल देता है। चयननित नवोदित 43 लेखकों में 19 महिलाएं और 24 पुरुष हैं।

इन लेखकों के पुस्तक प्रस्ताव प्रसिद्ध विद्वानों के छह महीने के मार्गदर्शन में पुस्तक के रूप में विकसित किए जाएंगे। प्रत्येक चयनित लेखक को 50 हजार रुपये प्रति माह छात्रवृत्ति और प्रकाशित पुस्तक पर आजीवन 10 प्रतिशत की रॉयल्टी मिलेगी।

पीएम-युवा तृतीय चरण के विषयों में राष्ट्र निर्माण में भारतीय प्रवासी समुदाय का योगदान, भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक भारत के निर्माता (1950-2025) शामिल रहे। चयनित पुस्तक प्रस्ताव अकाल्पनिक रचनाएं हैं जो इतिहास, संस्कृति, विज्ञान, दर्शन, शासन, सामाजिक सुधार और भारत की वैश्विक भागीदारी जैसे विषयों द्वारा भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य को प्रतिबिंबित करती हैं। चयनित लेखकों के लिए 10 से 18 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के दौरान राष्ट्रीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। पीएम-युवा तृतीय चरण के तहत पुस्तकों का पहला खंड अगले वर्ष प्रकाशित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य भारत और विदेशों में भारतीय साहित्य और विचार का प्रतिनिधित्व करने के लिए लेखकों की एक नई पीढ़ी का मार्गदर्शन और पोषण करना है।

2025 में लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए शासन सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया: डॉ. जितेंद्र सिंह

- **मिशन कर्मयोगी 2025 में तेजी से विस्तारित, आई जी ओ टी 1.45 करोड़ सरकारी कर्मचारियों का आंकड़ा पार किया**
- **सीपीग्राम्स ने 2025 में 20 लाख से अधिक सार्वजनिक शिकायतों का निपटारा किया, शासन सुधारों में तेजी आई है**

नई दिल्ली। कार्मिक, लोक शिकायत पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वर्ष 2025 लोगो के जीवन स्तर को सुगम बनाने के उद्देश्य से शासन सुधारों पर केंद्रित था। साथ ही सरकारी कर्मचारियों के लिए अधिक अनुकूल और कार्य-अनुकूल वातावरण बनाने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया था।

दिल्ली में आयोजित वर्ष के अंत के प्रेस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की वर्ष के अंत की उपलब्धियों को रेखांकित किया। इसमें कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग तथा पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के कार्यों को शामिल किया गया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वर्ष के दौरान किए गए सुधार न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत द्वारा निर्देशित थे। इनमें प्रक्रियाओं को सरल बनाने, लंबित मामलों को कम करने और सरकार को अधिक उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर बल दिया गया था। उन्होंने कहा कि 2025 में शासन के परिणाम एक परिपक्व सुधार प्रक्रिया को दर्शाते हैं। यहां सार्वजनिक सेवा वितरण में ठोस सुधार लाने के लिए डिजिटल उपकरणों, संस्थागत नवाचार और मानव-केंद्रित दृष्टिकोणों को एक साथ लाया गया।

शासन सुधार के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में क्षमता निर्माण को रेखांकित करते हुए कहा कि मिशन कर्मयोगी ने वर्ष के दौरान अपना विस्तार जारी रखा। आई जी ओ टी-कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर 1.45 करोड़ से अधिक पंजीकृत सरकारी कर्मचारी हैं। यह 23 भाषाओं में 4,155 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले ई-लर्निंग पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने पेयजल सेवाओं का आंकलन करने के लिए जल सेवा आंकलन का शुभारंभ किया

- **जन भागीदारी, पारदर्शिता और प्रौद्योगिकी का संगम तब होता है जब जल सेवा आंकलन राष्ट्रव्यापी स्तर पर शुरू होता है**

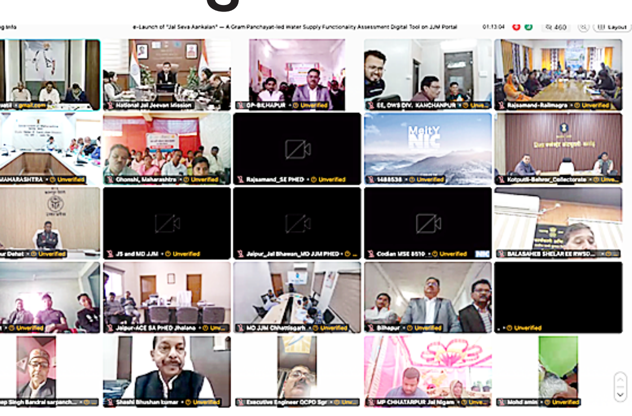

नई दिल्ली। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सेवा वितरण और सामुदायिक स्वामित्व को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने आज जल जीवन मिशन (जेजेएम) पोर्टल पर ग्राम पंचायत के नेतृत्व में संचालित डिजिटल पेयजल सेवा कार्यक्षमता मूल्यांकन उपकरण ' जल सेवा आंकलन' का ई-लॉन्च किया।

यह पहल अवसंरचना निर्माण से सतत सेवा वितरण की ओर एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है, जो हर घर जल (एचजीजे) गांवों में पेयजल आपूर्ति की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थिरता का आंकलन करने के केंद्र में ग्राम पंचायतों और ग्राम संस्थानों को रखती है।

कई ग्राम पंचायतों को हर घर जल का दर्जा प्राप्त होने के साथ, जल जीवन मिशन एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां नल कनेक्शन से प्रतिदिन विश्वसनीय और सुरक्षित पेयजल सेवाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। जल सेवा आंकलन को एक सामुदायिक स्वामित्व वाली स्व-मूल्यांकन प्रणाली के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो गांवों को केवल अनियमित और महंगे तृतीय-पक्ष सर्वेक्षणों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी जल सेवा वितरण प्रणालियों पर सामूहिक रूप से विचार करने में सक्षम बनाती है।

इस टूल का औपचारिक ई-लॉन्च केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने किया। इस कार्यक्रम में जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना और श्री राज भूषण चौधरी , पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्यों और संस्थानों के प्रतिनिधि, पंचायत सचिव, सरपंच और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य उपस्थित थे। विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से हर घर जल ग्राम पंचायतों के लगभग 10,000 प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल संसाधन सृजन करना ही नहीं है, बल्कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सतत आधार पर विश्वसनीय पेयजल सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने मिशन के चार प्रमुख स्तंभों - राजनीतिक इच्छाशक्ति, जनभागीदारी, हितधारकों का सहयोग और संसाधनों का इष्टतम उपयोग - का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जनभागीदारी हर घर जल की उपलब्धियों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है।

उन्होंने कहा कि जल सेवा आंकलन ग्राम पंचायतों को अपनी जल आपूर्ति प्रणालियों का संरक्षक बनने का अधिकार देता है और ग्राम सभाओं के माध्यम से लोकतांत्रिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन जनता और गांवों के लिए है, और इसे जारी रखने की जिम्मेदारी स्वयं समुदाय की है; यह केवल जन भागीदारी के माध्यम से ही संभव है।

मंत्री महोदय कहा कि ग्रामीण पेयजल प्रणालियों की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सामुदायिक भागीदारी और पारदर्शिता आवश्यक हैं, और यह नया टूल सेवा वितरण में मौजूद कमियों की जल्द पहचान करने और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई करने में मदद करेगा।

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और हर घर जल की उपलब्धियों को बनाए रखने और गांवों में बदलाव को गति देने में जन भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल सेवा आंकलन स्थानीय संस्थानों में सरकार के विश्वास को दर्शाता है और पेयजल सेवाओं के ग्राम-स्तरीय प्रशासन को और मजबूत करेगा।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और घोनाशी ग्राम पंचायत (कराड ब्लॉक, सतारा जिला, महाराष्ट्र), गोगाथला ग्राम पंचायत (रेलमगरा ब्लॉक, राजसमंद जिला, राजस्थान) और बिल्हापुर ग्राम पंचायत (अमरोधा ब्लॉक, कानपुर देहात जिला, उत्तर प्रदेश) के पंचायत प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत थी। ग्राम प्रतिनिधियों ने ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणालियों के प्रबंधन, जल आपूर्ति की नियमितता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने, नियमित परीक्षण, उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह और हर घर जल की उपलब्धियों को बनाए रखने के अपने अनुभव साझा किए।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव श्री अशोक के.के. मीना ने स्पष्ट किया कि जल सेवा आंकलन न तो कोई निरीक्षण है और न ही कोई बाहरी ऑडिट , बल्कि यह एक संरचित, समुदाय-नेतृत्व वाली स्व-समीक्षा प्रक्रिया है जो गांवों को यह आंकलन करने में सक्षम बनाती है कि उनकी पाइपलाइन द्वारा जल आपूर्ति प्रणाली कितनी प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है।

डीएफएस ने ऋण वसूली अपीलीय अधिकरणों (डीआरएटी) के अध्यक्षों और ऋण वसूली अधिकरणों (डीआरटी) के पीठासीन अधिकारियों की बैठक आयोजित की

- **वित्तीय सेवा विभाग के सचिव ने अधिकरणों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला**

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में ऋण वसूली अपीलीय अधिकरणों (डीआरएटी) के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया। डीएफएस के सचिव ने बैठक में उपस्थित डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों और भारतीय बैंक संघ के प्रतिनिधियों को संबोधित किया।

सचिव ने अधिकरणों की प्रक्रियाओं में सुधार लाने के लिए विभाग द्वारा डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने हेतु उठाए गए प्रमुख कदमों पर

प्रकाश डाला, जिसमें अनिवार्य ई-फाइलिंग को अपनाना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का उपयोग, हाइब्रिड सुनवाई आदि शामिल हैं। बैठक में अपीलीय अधिकरणों में वसूली प्रक्रिया की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए व्यापक मुद्दों पर चर्चा हुई। इस चर्चा में शामिल थे:

डीआरटी के माध्यम से वसूली बढ़ाने के लिए बैंकों के सुदृढ़ीकरण, निगरानी और पर्यवेक्षण तंत्र को और मजबूत करने हेतु उपाय;

वसूली को अनुकूलित करने के लिए डीआरटी में उच्च मूल्य वाले मामलों पर विशेष ध्यान देना;

विवादों के शीघ्र निपटारे के लिए वैकल्पिक समाधान तंत्र के रूप में लोक अदालतों का अधिकतम उपयोग;

डीआरटी में निपटान में सुधार के लिए आगे की प्रक्रिया में सुधार;

विभाग और बैंकों द्वारा क्षमता निर्माण के लिए उपायों में पीठासीन अधिकारियों, वसूली अधिकारियों, रजिस्ट्रारों और बैंकों के अधिकृत अधिकारियों के लिए संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

बैठक में ऋण वसूली और दिवालियापन अधिनियम, 1993 और वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 में संशोधन संबंधी सुझावों पर चर्चा की गई।

मीडियाकर्मी आवासीय परिसर सोनडोंगरी में बनेगा ओपन जिम, महापौर के निर्देश पर पहुँचीं मशीनें

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मीडियाकर्मी आवासीय परिसर सोनडोंगरी में रहने वाले पत्रकारों और रहवासियों के लिए एक बड़ी सौगात सामने आई है। रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर परिसर में ओपन जिम का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए आवश्यक जिम मशीनें कॉलोनी में पहुँचा दी गई हैं, जिन्हें जल्द ही स्थापित कर दिया जाएगा।

ज्ञापन के बाद त्वरित कार्रवाई

मीडियाकर्मी आवासीय परिसर के अध्यक्ष मदन लाल बघेल, पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार प्रहलाद दमाहे तथा समिति के अन्य सदस्यों ने महापौर मीनल चौबे के नाम ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए महापौर ने नगर निगम के अधिकारियों को तत्काल ओपन जिम लगाने के निर्देश दिए, जिसके बाद निगम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए जिम की मशीनें कॉलोनी में पहुँचा दी हैं।

जल्द शुरू होगी फिटनेस की सुविधा

नगर निगम द्वारा लाई गई ओपन जिम की मशीनें जल्द ही परिसर में स्थापित की जाएंगी। इसके शुरू होने से कॉलोनी के रहवासियों को सुबह–शाम व्यायाम और फिटनेस के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी।

अध्यक्ष और रहवासियों ने जताया आभार

परिसर के अध्यक्ष मदन लाल बघेल ने समिति के सदस्यों और समस्त रहवासियों की ओर से महापौर मीनल चौबे और नगर निगम के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी कॉलोनी के विकास के लिए इसी तरह सहयोग की अपेक्षा जताई है।

स्वास्थ्य और स्वच्छता की दिशा में एक और कदम

कॉलोनी के निवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ओपन जिम से स्वास्थ्य और फिटनेस के क्षेत्र में उन्हें बड़ी सुविधा मिलेगी। अध्यक्ष मदन लाल बघेल और समिति द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों से मीडियाकर्मी आवासीय परिसर को साफ–सुथरा, स्वच्छ और एक आदर्श कॉलोनी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

युवा समृद्ध तो देश समृद्ध : डॉ. वर्णिका शर्मा

परंपरा और तकनीक के संतुलन से बनेगा विश्वगुरु भारत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत, रायपुर द्वारा आयोजित 5 दिवसीय अंतर जिला युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। युवाओं के द्वारा, युवाओं के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में बस्तर संभाग से आए युवाओं ने सक्रिय सहभागिता की। समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने रायपुर के विभिन्न ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने पुरातन काल, स्थानीय भाषा, जीवन–शैली, वेशभूषा तथा खानपान की विविधताओं को नजदीक से जाना। इस दौरान युवाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए सांस्कृतिक समानताओं और भिन्नताओं को समझा।

बस्तर जिला की लक्ष्मी नाग ने बताया कि आदिवासी संस्कृति और रायपुर शहर की कई परंपराओं में समानता देखने को मिली, वहीं अनेक नई बातों को सीखने का अवसर भी मिला। दक्षिण बस्तर के सुकमा से आए गौतम कुमार एवं नाथ सेठिया ने कहा कि राजधानी रायपुर में साइबर क्राइम के विषय में गहराई से जानकारी मिली तथा उससे बचाव के उपाय समझ में आए। उन्होंने आदिवासी संग्रहालय में बस्तर की संस्कृति, औषधियों और त्योहारों के सुंदर चित्रण की सराहना की।

समापन सत्र में अपने प्रेरक उद्बोधन में डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का उद्देश्य एक–दूसरे के गुणों को अपनाना है। अभिव्यक्ति भले अलग हो, पर सोच सभी की एक होती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शुद्धता और मूल्यों को अपनाते हुए 24 कैरेट खरे सोने की तरह स्वयं को गढ़ें।

उन्होंने ग्रामीण और शहरी जीवन के उदाहरण देते हुए कहा कि एक ओर जहां ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है, वहीं शहरों में स्वाद को। यूथ एक्सचेंज के माध्यम से इन दोनों का संतुलित और स्वास्थ्यवर्धक आदान–प्रदान आवश्यक है। विकास के साथ यह भी देखना जरूरी है कि विकास सही दिशा में हो। डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि तकनीक और परंपरा के सुंदर संयोजन से ही भारत पुनः विश्वगुरु बन सकता है। युवा समृद्ध होंगे तो देश समृद्ध होगा, इसके लिए युवाओं का कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर अर्पित तिवारी, महाराष्ट्र मंडल अध्यक्ष अजय काले, इंदिरा जैन, प्रोफेसर सुनीता चंसौरिया सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने की श्रद्धेय अटल जी को पुष्पांजलि अर्पित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में स्मृति मंदिर में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी सहित भाजपा के पितृ पुरुष कुशाभाऊ ठाकरे, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जी एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहा कि अटलजी ने अपना संपूर्ण जीवन सुशासन और राष्ट्र निर्माण को समर्पित कर दिया और उनका व्यक्तित्व, कृतित्व व नेतृत्व देश के चहुंमुखी विकास के लिए सदैव पथ–प्रदर्शक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि अटलजी का संपूर्ण जीवन सुशासन और राष्ट्र निर्माण को समर्पित रहा। वे प्रखर वक्ता होने के साथ–साथ ओजस्वी कवि के रूप में भी सदैव स्मरणीय रहेंगे।

राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने किया अटल जी के जीवन पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कंडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, रायपुर ग्रामीण जिला प्रभारी सुरेंद्र पाटनी, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा, सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वीआईपी रोड, माना स्थित पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में पीएनबी एटीएम का उद्घाटन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पंजाब नैशनल बैंक ने आज दिनांक 30 दिसंबर 2025 को रायपुर शहर में अपना 52वाँ एटीएम तथा रायपुर अंचल में 454वाँ एटीएम स्थापित किया जो बैंक द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य मैं अपनी बैंकिंग संरचना को मजबूत करने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

नया एटीएम पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, वीआईपी रोड, माना परिसर में स्थापित किया गया है। जिसका उद्घाटन माननीय अरुण देव गौतम, पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आशीष चतुर्वेदी, अंचल प्रबंधक, पीएनबी रायपुर, आनंद छाबरा, आईजी प्रशिक्षण, सुजीत कुमार डीआईजी प्रशिक्षण, राजकुमार मिन्ज, पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, माना , वीरेंद्र कुमार शर्मा, मण्डल प्रमुख रायपुर, तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण एवं पंजाब नैशनल बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर माननीय अतिथियों ने कहा कि इस एटीएम की स्थापना से पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय के पुलिस कर्मियों, प्रशिक्षुओं, स्टाफ सदस्यों तथा आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को अत्यंत लाभ मिलेगा। यह एटीएम 24×7 बैंकिंग सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। विशेष रूप से, यह ध्यान देने योग्य है कि इस क्षेत्र में एटीएम सुविधा उपलब्ध नहीं है और हमें इस क्षेत्र में एटीएम लगाने हेतु अनुरोध भी प्राप्त हो रहे थे । यह एटीएम स्थानीय नागरिकों एवं पुलिस कर्मियों को बैंकिंग सुविधायें प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान निभाएगी।

बढ़ती हुई ठण्ड में जनमानस से अपील

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

एक कदम सेवा की ओर इस ठण्ड के मौसम में अपने स्वयं के लिए अनुपयोगी लेकिन अन्यों के लिए उपयोग करने योग्य गर्म कपड़े, स्वेटर, शाल, मफ्लर, कम्बल जो की उपयोग करने लायक हो कृपया अपने आसपास के जरुरत मंदों के बीच जाकर वितरण करें और उन जरुरत मंदों की सहायता कर पुण्य के भागी बनें।

सामाजिक कार्यकर्त्ता प्रेमप्रकाश मध्यानी

बिलासपुर में ऑल इंडिया मीडियम एम एंड स्मॉल न्यूज पेपर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय दिवस राष्ट्रीय अधिवेशन का भव्य समापन

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आल इंडिया वमीडियम एंड स्माल न्यूज़ पेपर फेडरेशन के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत सरकार के शहरी आवास राज्य मंत्री तोखन साहू ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात उन्होंने उपस्थित पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने हर संभव सहयोग और मदद का आश्वासन भी दिया।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता समाज की दिशा तय करता है। छोटे और मझोले समाचार पत्र जमीनी सच्चाइयों को सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं, जिसे सरकार भी गंभीरता से लेती है और भविष्य में पत्रकार हितों के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

डिजिटल मीडिया के दौर में प्रिंट मीडिया की विशासनियत बरकरार

पूजा विधानी, महापौर, बिलासपुर बतौर विशिष्ट अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिजिटल मीडिया के दौर में प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तेज़ रफ्तार डिजिटल सूचनाओं के बीच भी प्रिंट मीडिया तथ्य, संतुलन और भरोसे का मजबूत स्तंभ बना हुआ है। प्रिंट मीडिया लोकतंत्र की रीढ़ है, जो जनहित के मुद्दों को गहराई और जिम्मेदारी के साथ सामने लाता है। उन्होंने पत्रकारों से सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और जनसंवेदनाओं के साथ पत्रकारिता करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए आयोजकों ने मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों, दूर–दराज़ से आए पत्रकार साथियों, प्रतिभागियों तथा आयोजन को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में इनकी रही गरिमा में उपस्थित

ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरिंदर सिंह जी के निर्देशन में बिलासपुर छत्तीसगढ़ में आज राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन तरुण साहू जी ने किया । भारत सरकार के शहरी आवासन राज्य मंत्री तोखन साहू जी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे । इस कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार नवरत्न एवं भारतीय प्रेस परिषद/केन्द्रीय मीडिया प्रत्यायन समिति के सदस्य सुधीर पांडा जी भी उपस्थित रहे । फेडरेशन के उत्तर प्रदेश राज्य के अध्यक्ष शोएब अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष परवेज आलम, प्रदेश महासचिव अनिल कुमार त्रिपाठी, प्रयागराज के जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह, साधना सिंह, वाराणसी से मुन्नालाल साहनी, सुल्तानपुर के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, उत्तराखंड के राज्य अध्यक्ष श्री राजकुमार छाबड़ा, नवीन टुटेजा, वरुण छाबड़ा, मीनाक्षी कश्यप आदि उपस्थित रहे ।

सफल आयोजन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष नीति बधाई

छत्तीसगढ़ में आयोजित सफल सेमिनार की शानदार सफलता पर ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज़पेपर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरिंदर सिंह ने पूरी टीम को बधाई।

आल इंडिया मीडियम एंड स्माल न्यूज़ पेपर फेडरेशन के महासचिव अशोक नवरत्न ने बिलासपुर में कहा कि आज के डिजिटल दौर में भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और जिम्मेदारी कम नहीं हुई है । उन्होंने कहा कि छोटे और मझौले समाचार पत्र लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करते हैं और आम जनता की आवाज़ को मजबूती से सत्ता तक पहुँचाते हैं ।

श्री नवरत्न ने पत्रकारों से आह्वान किया कि वे निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता को अपना ध्येय बनाएं, ताकि समाज में सच, संवेदना और सरोकार जीवित रह सकें । उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष तरुण साहू जी सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी ।

उत्तर शोएब अहमद प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित सफल राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। अखिल भारतीय लघु एवं मध्यम समाचार पत्र महासंघ के 50वी वर्षगांठ के अवसर पर इस संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें प्रिंट मीडिया की महत्वता, पत्रकारिता की चुनौतियाँ, और डिजिटल युग में समाचार पत्रों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई।

इस सफल आयोजन के लिए मैं श्री तरुण साहू जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उनके परिवार और बच्चों के सहयोग को भी मैं अत्यंत सराहनीय मानता हूँ। साथ ही, मैं श्री मधुर जी और अनमोल जी का भी विशेष धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और हम सभी की खातिरदारी में कोई कमी नहीं रखी।

इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों, पत्रकारों, और आयोजकों का भी आभार व्यक्त करता हूँ। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ एडिटर्स एंड पब्लिशर्स एसोसिएशन के सहयोग के लिए धन्यवाद।

उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित हुए पत्रकार

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष तरुण साहू ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि–

मैं सभी अतिथियों, वरिष्ठ पत्रकार साथियों एवं विभिन्न प्रदेशों से पधारे प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। यह कार्यक्रम पत्रकारिता की एकजुटता, गरिमा और सामाजिक दायित्व को सशक्त करने का मंच है। डिजिटल युग में भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता बनी हुई है। हमें मिलकर पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा करते हुए जनहित में सतत कार्य करना होगा।

इस अवसर पर देश के विभिन्न प्रदेशों से पधारे पत्रकार साथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों को मंचासीन अतिथियों ने पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया, जिससे उपस्थित जनों में उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771-2223399, मो.–6262904444